साान्ध्य हिन्दी दैनिक

जौनपुर से प्रकाशित

देश की उपासना

देश के विकास में समर्पित समाज के सभी वर्गों के लिए

वर्ष - 03 | अंक - 161 | जौनपुर, बुधवार, 29 जनवरी 2025 | सान्ध्य दैनिक (संस्करण) | पेज - 4 | मूल्य - 2 रूपये

सीएम योगी आदित्यनाथ ने भरी हुंकार, यमुना की बदहाली को लेकर आप सरकार पर बोला हमला

नई दिल्ली, (एजेंसी)। यूपी के सीएम योगी आदित्यनाथ ने दिल्ली के विकासपुरी में भाजपा प्रत्याशी पंकज कुमार सिंह के समर्थन में जनसभा को संबोधित किया। इसमें उन्होंने आप सरकार पर जमकर हमला बोला। उन्होंने सड़कों पर गड्ढे और प्रदूषित यमुना के मुद्दे पर दिल्ली की मौजूद सरकार को आड़े हाथों लिया। मंगोलपुरी विधानसभा क्षेत्र में जनसभा को संबोधित करते उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा, श्जब मैं गाजियाबाद से दिल्ली की ओर आ रहा था, यमुना जी जो कभी भारत की पौराणिक नदी के रूप में हम सबकी आस्था की प्रतीक थी उसमें से बदबू आ रही थी। उस पावन यमुना नदी से सीवर जैसी बदबू आ रही थी। दिल्ली के अंदर आप (आम आदमी पार्टी) की सरकार के पाप के भुक्तभोगी हमारे मथुरा, वृंदावन और आगरावासियों तथा वहां पर आने वाले श्रद्धालुओं को होना पड़ रहा है। आप ने दिल्ली में जो 10 साल से जो स्थिति बनाई है आज उसका भुक्तभोगी हम सबको होना पड़ा रहा है। मंगोलपुरी विधानसभा क्षेत्र में जनसभा को संबोधित करते उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा, श्जब मैं गाजियाबाद से दिल्ली की ओर आ रहा था साल 2020 में दिल्ली में हुए दंगों के आरोपी और पूर्व पार्षद ताहिर हुसैन को सुप्रीम कोर्ट ने राहत देते हुए कस्टडी पैरोल की मंजूरी दे दी है। इसके बाद ताहिर हुसैन के पुलिस हिरासत में चुनाव प्रचार करने की छूट मिल गई है। ताहिर हुसैन दिल्ली की मुस्तफाबाद सीट से एआईएमआईएम पार्टी के टिकट पर विधानसभा चुनाव लड़ रहा है। ताहिर हुसैन ने पहले सुप्रीम कोर्ट में चुनाव

प्रचार के लिए जमानत देने की याचिका दायर की थी, लेकिन इसकी मंजूरी नहीं मिल पाई थी। अब ताहिर हुसैन ने पुलिस हिरासत में ही चुनाव प्रचार करने देने की इजाजत सुप्रीम कोर्ट से मांगी थी। जिसे सुप्रीम कोर्ट ने मंजूर कर लिया है। दिल्ली विधानसभा चुनाव में शिवसेना (यूबीटी) प्रमुख उद्धव ठाकरे कांग्रेस या आम आदमी पार्टी के लिए प्रचार नहीं करेंगे। क्योंकि पार्टी ने तटस्थ रुख अपनाया है। सांसद संजय राउत ने मंगलवार को जानकारी देते हुए कहा कि आप और कांग्रेस, दोनों ही इंडिया गठबंधन के सदस्य हैं। शिवसेना (यूबीटी) के मित्र हैं। इसलिए पार्टी ने फैसला किया है कि दिल्ली में दोनों में से किसी के लिए प्रचार नहीं करेंगे। दिल्ली कांग्रेस प्रतिनिधिमंडल ने मुख्य चुनाव अधिकारी से मुलाकात पर पार्टी समन्वयक नरेंद्र नाथ ने कहा कि रिठाला से हमारे उम्मीदवार सुशांत मिश्रा के साथ प्रभारी अधिकारी ने दुर्व्यवहार किया। हम यहां उस व्यक्ति के खिलाफ शिकायत दर्ज कराने आए हैं। हमारे पार्टी उम्मीदवार के साथ दुर्व्यवहार हुआ है। आगे कहा कि ये मामला पूरी तरह से आदर्श आचार संहिता के उल्लंघन का है। हम अधिकारी के खिलाफ कार्रवाई की मांग करते हैं। प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान दिल्ली के पूर्व सीएम अरविंद केजरीवाल ने कहा कि दिल्ली जल बोर्ड के सीईओ ने खुद माना है कि हरियाणा की तरफ से यमुना के जल में बहुत ज्यादा अमोनिया आ रहा है। आतिशी और भगवंत मान को चुनाव आयोग ने चार बजे मिलने का समय दिया है, वह लोग मिलने जायेंगे। दिल्ली विधानसभा चुनाव के बीत आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान कहा कि केंद्र सरकार सारा सरकारी खजाना अपने अरबपति मित्रों पर लुटा रही है। केंद्र की भाजपा सरकार अपने अरबपति मित्रों को लोन देती है। और बाद में माफ कर देती है। पिछले पांच साल में केंद्र सरकार ने 400–500 अरबपतियों के 10 लाख करोड़ रुपये माफ किए हैं। केंद्र सरकार जनता के टैक्स के पैसे को अपने अरबपति मित्रों पर लुटा रही है। मिडल क्लास टैक्स टेररिज्म का शिकार हैं। मिडिल क्लास परिवार अपनी कमाई का आधा हिस्सा टैक्स के रूप में देता है। लेकिन बदले में उसे कुछ नहीं मिलता है। जब केंद्र सरकार जनता के टैक्स के पैसे को अपने अरबपति मित्रों पर लुटाती है ।

आस्था का अनादर करने वाले इतिहास के पन्ने में दर्ज हो जाएंगे : सीएम केशव

लखनऊ, (संवाददाता)। उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि अयोध्या, काशी, विंध्याचल, मथुरा और प्रयागराज में चारों तरफ आस्था का जनसागर उमड़ा हुआ है। यह दृश्य देखकर समाजवादी पार्टी और कांग्रेस को बर्दाश्त नहीं हो रहा है। ऐसे में आस्था को चोट पहुंचाने वाले बयान दिए जा रहे हैं। इन्हें नहीं पता कि आस्था का अनादर करेंगे तो इतिहास के पन्ने में दर्ज हो जाएंगे। उपमुख्यमंत्री मंगलवार को मिल्कीपुर उपचुनाव में भाजपा प्रत्याशी के समर्थन में चुनावी जनसभा को संबोधित करने आए थे। इस दौरान संवाददाताओं से बातचीत करते हुए उन्होंने कहा कि समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव को प्रयागराज महाकुंभ में संगम नहाने के बाद भी सद्बुद्धि नहीं आई है, विकृति छाई हुई है। महाकुंभ आस्था का महापर्व है। इसको लेकर वे लगातार नकारात्मक टिप्पणी कर रहे हैं। यह उनका दृष्टि और मानसिक दोष है, उनको अपना इलाज कराना चाहिए। उप मुख्यमंत्री ने कहा कि सपा के पीडीए का मतलब परिवार डेवलपमेंट एजेंसी है। मिल्कीपुर में ही देख लीजिए, यहां पर भी समाजवादी पार्टी ने सांसद अवधेश प्रसाद के बेटे को टिकट देकर यही काम किया है।

संक्षिप्त समाचार

दिल्ली के बुराड़ी इलाके में निर्माणाधीन इमारत गिरी

नई दिल्ली, (एजेंसी)। दिल्ली के बुराड़ी इलाके में सोमवार शाम को एक चार मंजिला इमारत गिरने से दबे लोगों को राहत एवं बचाव टीम निकाल रही है। इस घटना पर दिल्ली पुलिस के डीसीपी ने मीडिया कर्मियों से बात करते हुए बताया कि यह बिल्डिंग हाल ही में बनी थी और करीब एक से डेढ़ साल पहले इसका निर्माण शुरू हुआ था। फिलहाल जानकारी के अनुसार, इसमें कोई स्थायी निवासी नहीं था, केवल श्रमिकों का आना–जाना था। दिल्ली पुलिस के डीसीपी राजा बांठिया ने बताया, श्सोमवार की शाम करीब 6रू52 बजे पीसीआर कॉल आई थी कि कौशिक एन्क्लेव, बुराड़ी में एक बिल्डिंग गिर गई है। सूचना मिलते ही पुलिस और फायर टीम मौके पर पहुंची। इस दौरान कौशिक एन्क्लेव में स्थित एक चार मंजिला बिल्डिंग का ढहना पाया गया। उन्होंने आगे कहा, श्मलबे में कई लोगों के फंसे होने की आशंका थी। तत्काल रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू किया गया, जिसमें पुलिस, फायर टीम, एम्बुलेंस और रेस्क्यू टीम शामिल थीं।

राम मंदिर ट्रस्ट ने आस–पड़ोस के श्रद्धालुओं से की बड़ी अपील

नई दिल्ली, (एजेंसी)। श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ने मंगलवार को उन भक्तों से अपील की, जो राम मंदिर में पूजा करने के इच्छुक हैं और अयोध्या के आस–पास के इलाकों से आ रहे हैं। ट्रस्ट ने आस–पास के लोगों से अपील करते हुए कहा कि वे दूर–दराज के स्थानों से आने वाले भक्तों की बड़ी आमद के कारण फरवरी तक अपनी यात्रा स्थगित कर दें। यह कहते हुए कि पिछले तीन दिनों में पूजा करने के लिए आने वाले भक्तों की संख्या में अभूतपूर्व वृद्धि देखी गई है, ट्रस्ट ने कहा कि एक ही दिन में प्रत्येक भक्त के लिए राम लला के दर्शन सुनिश्चित करना कठिन होता जा रहा है। ट्रस्ट ने एक्स पर लिखा कि प्रयागराज में कुंभ में मौनी अमावस्या के लिए श्मुख्य स्नानश (मुख्य स्नान अनुष्ठान) 29 जनवरी, 2025 को होगा। अनुमान है कि इस शुभ दिन पर लगभग 10 करोड़ भक्त प्रयागराज में पवित्र डुबकी लगाएंगे। बड़ी संख्या में श्रद्धालु ट्रेन और सड़क मार्ग से भी प्रयागराज से अयोध्या की यात्रा कर रहे हैं।

किसानों और मध्यम वर्ग के कर्ज माफ करे केंद्र सरकार, केजरीवाल ने पीएम मोदी से की मांग

नई दिल्ली, (एजेंसी)। दिल्ली चुनाव के बीच आप सुप्रीमो अरविंद केजरीवाल ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पत्र लिखकर अरबपतियों को दिए गए कर्ज को माफ करने पर रोक लगाने के लिए कानून बनाने की मांग की।

उन्होंने कहा कि अगर अमीरों का कर्ज माफ करना बंद कर दिया जाए तो आयकर, जीएसटी की दरें आधी की जा सकती हैं और आवश्यक वस्तुओं पर कर समाप्त किया जा सकता है। केजरीवाल ने कहा कि आज मैंने एक महत्वपूर्ण मुद्दे पर प्रधानमंत्री जी को पत्र लिखा है। केंद्र की भाजपा सरकार चंद अरबपतियों के लिए सरकारी खजाने से पैसा लूट रही है। दूसरी ओर, मध्यम वर्ग महंगाई और बेरोजगारी से जूझ रहा है। केजरीवाल ने कहा कि मेरे प्रधानमंत्री से दो अनुरोध हैं। अब इस देश में किसी भी अरबपति का कर्ज माफ नहीं होगा, इसके लिए कानून बनना चाहिए। ये बहुत बड़ा घोटाला है...अगर अमीरों की कर्ज माफी बंद कर दी जाए तो इनकम टैक्स और जीएसटी दरें आधी हो सकती हैं। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि खाने–पीने की चीजों पर जीएसटी हटाया जा सकता है। उन्होंने कहा कि भाजपा की केंद्र सरकार पूंजीपतियों के कर्ज माफ करने की जगह मध्यम वर्ग और किसानों का कर्ज माफ करे। इसके अलावा अपने प्रेस वार्ता में केजरीवाल ने कहा कि पानी के मुद्दे पर आतिशी ने आज फिर चुनाव आयोग को पत्र लिखा है। उन्होंने कहा कि दिल्ली जल बोर्ड के सीईओ ने कल पुष्टि की कि दिल्ली में आने वाले पानी में अमोनिया नामक जहर मिला हुआ है। चुनाव आयोग ने भगवंत मान और आतिशी को आज शाम 4 बजे मिलने का समय दिया है। दोनो जायेंगे। सैनी साहब (हरियाणा के मुख्यमंत्री), पानी पर राजनीति मत कीजिए। हमें डराने की कोशिश मत करो कि तुम केस करोगे। मैं दिल्ली के लोगों को मरने नहीं दूंगा। अपनी पार्टी से कहें कि गंदी राजनीति न करें।

पीएम मोदी ने भारत में लाइव कॉन्सर्ट की सफलता को लेकर कही खास बात, कोल्डप्ले का किया जिक्र

नई दिल्ली, (एजेंसी)। पीएम मोदी ने भुवनेश्वर में उत्कर्ष ओडिशा मेक इन ओडिशा कॉन्क्लेव 2025 को संबोधित करते हुए कहा कि पिछले कुछ दिनों में आपने मुंबई और अहमदाबाद में हुए कोल्डप्ले कॉन्सर्ट की शानदार तस्वीरें देखी होंगी, ये इस बात को दर्शाता है कि भारत में लाइफ कॉन्सर्ट का कितना स्कोप है। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, श्आपने मुंबई और अहमदाबाद में आयोजित कोल्डप्ले कॉन्सर्ट की शानदार तस्वीरें देखी होंगी। इससे साफ पता चलता है कि भारत में लाइव कॉन्सर्ट के लिए कई संभावनाएं हैं। दुनिया भर के बड़े कलाकार भारत की ओर आकर्षित हैं... मुझे उम्मीद है कि राज्य और

निजी क्षेत्र आवश्यक बुनियादी ढांचे और कौशल पर ध्यान केंद्रित करेंगे। पीएम मोदी ने आगे कहा, श्दुनिया भर के बड़े कलाकार भी भारत की ओर आकर्षित हो रहे हैं। कॉन्सर्ट इकोनॉमी से पर्यटन को बढ़ावा मिल रहा है और बड़े पैमाने पर रोजगार पैदा होता है। मैं राज्यों और निजी क्षेत्र से कॉन्सर्ट इकोनॉमी के लिए आवश्यक बुनियादी ढांचे पर ध्यान केंद्रित करने का अनुरोध करता हूं। चाहे इवेंट मैनेजमेंट हो, आर्टिस्ट ग्रूमिंग हो, सुरक्षा हो या बाकी व्यवस्थाएं। इन सभी क्षेत्रों में नई संभावनाएं उभर रही हैं। ब्रिटिश बैंड कोल्डप्ले ने मुंबई और अहमदाबाद में पांच शो से ना केवल प्रशंसकों को रोमांचित किया, बल्कि इस दौरान नए रिकॉर्ड भी स्थापित किए। भारत में उनका अंतिम संगीत कार्यक्रम रविवार को अहमदाबाद में आयोजित हुआ। कोल्डप्ले ने अपने प्रमुख गायक क्रिस मार्टिन के साथ मिलकर अपने म्यूजिक ऑफ द स्फीयर्स वर्ल्ड टूर के दौरान भारत में पांच कॉन्सर्ट किए। बैंड ने मुंबई में तीन शो के साथ शुरुआत की और फिर अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में दो बैक–टू–बैक परफॉर्मेंस के साथ समापन किया। प्रधानमंत्री मोदी ने भारत में आगामी विश्व दृश्य–श्रव्य मनोरंजन शिखर सम्मेलन को लेकर कहा, श्अगले महीने भारत पहली बार विश्व ऑडियो विजुअल शिखर सम्मेलन या वेव्स की मेजबानी करेगा। यह एक बड़ा आयोजन होगा, जो दुनिया के सामने भारत की रचनात्मक शक्ति को प्रदर्शित करेगा। राज्यों में ऐसे आयोजनों से मिलने वाला राजस्व और लोगों में बनी धारणा भी अर्थव्यवस्था को आगे बढ़ाने में योगदान देगी।

अखिलेश यादव और अरविंद केजरीवाल शेयर करेंगे मंच, 30 जनवरी को मिलकर करेंगे रोड शो

नई दिल्ली, (एजेंसी)। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में चुनावी जंग जारी है। इस चुनावी जंग के बीच ही अब नया मोड़ आ गया है। इस चुनाव में समाजवादी पार्टी (सपा) आगामी दिल्ली विधानसभा चुनावों में आम आदमी पार्टी के लिए प्रचार करेगी। समाजवादी पार्टी, तृणमूल कांग्रेस, शिवसेना यूबीटी और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरद पवार गुट) पहले ही दिल्ली में सत्तारूढ़ आप को अपना समर्थन दे चुके हैं। आम आदमी पार्टी से मिली जानकारी के अनुसार, सपा प्रमुख अखिलेश यादव और आप के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल 30 जनवरी को रिठाला विधानसभा क्षेत्र में एक साथ रोड शो करेंगे। सपा प्रमुख यादव के साथ पार्टी के कई सांसद भी आप के लिए प्रचार करेंगे। आप ने बताया कि कैराना से सांसद इकरा हसन भी विधानसभा चुनाव में आप उम्मीदवारों के लिए प्रचार करेंगी। उल्लेखनीय है कि कांग्रेस और आप, दोनों पार्टियां जो कि भारत गठबंधन का हिस्सा हैं, ने दिल्ली में 2024 का लोकसभा चुनाव एक साथ लड़ा था। हालाँकि, दोनों पार्टियाँ दिल्ली विधानसभा चुनाव अलग–अलग लड़ रही हैं, जिसके कारण गठबंधन के भीतर समर्थन का विभाजन हो गया है, क्योंकि भारत ब्लॉक के प्रमुख सहयोगी आप को समर्थन दे रहे हैं। इसके अलावा समाजवादी पार्टी के सुप्रीमो अखिलेश यादव ने कहा कि भारत का गठबंधन श्अक्षुण्णश है। उन्होंने 15 जनवरी को कहा, श्भारत गठबंधन बरकरार है। मुझे याद है कि जब भारत गठबंधन बना था, तब यह निर्णय लिया गया था कि जहां भी कोई क्षेत्रीय पार्टी मजबूत होगी, गठबंधन उसे समर्थन देगा।ष बता दें कि दिल्ली विधानसभा चुनाव एक ही चरण में 5 फरवरी को होंगे और मतों की गिनती 8 फरवरी को होगी।

यमुना पर छिड़ी रार माफी नहीं मांगी तो... केजरीवाल पर मानहानि का केस करेंगे सीएम सैनी

हरियाणा, (एजेंसी)। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के खिलाफ मानहानि का मुकदमा दायर करेंगे, क्योंकि केजरीवाल ने दावा किया था कि हरियाणा सरकार औद्योगिक कचरा डालकर यमुना के पानी को जहरीला बना रही है। इस बीच, भाजपा केजरीवाल के खिलाफ शिकायत दर्ज कराने के लिए भारत के चुनाव आयोग (ईसी) का दौरा भी करेगी। इससे पहले सीएम सैनी ने केजरीवाल को आरोप लगाने के बजाय शासन पर ध्यान देने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि केजरीवाल को आरोप लगाने और भागने की आदत है। वह (अरविंद केजरीवाल) अमोनिया के बारे में बात करते हैं। वह पानी की कमी का दावा करते हैं। लेकिन कोई कमी नहीं है। सैनी ने कहा कि वितरण प्रणाली में एक मुद्दा है। वह 10 वर्षों में पानी के वितरण का प्रबंधन नहीं कर सकते, हालांकि उन्होंने इसका वादा किया था, फिर भी लोगों को प्रदूषित पानी मिल रहा है। सैनी ने कहा कि आरोप लगाना और फिर भाग जाना उनका (अरविंद केजरीवाल) स्वभाव और सोच है। एक कहावत है। मैंने कहा कि आप अपने मुख्य सचिव को भेजें और मैं अपने मुख्य सचिव से सोनीपत में पानी की गुणवत्ता की जांच करने के लिए कहूंगा जहां से यह (यमुना) दिल्ली में प्रवेश कर रही है। हरियाणा सरकार में मंत्री श्याम सिंह राणा ने कहा कि वे अपने मुख्य सचिव या मुख्य अभियंता को भेजकर दिल्ली भेजे जा रहे पानी का परीक्षण करा सकते हैं, उसके बाद ही उन्हें कुछ कहना चाहिए। दिल्ली की मुख्यमंत्री आतिशी ने हरियाणा में सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर राष्ट्रीय राजधानी में पेयजल की आपूर्ति के स्रोत यमुना नदी में जानबूझकर औद्योगिक कचरा बहाने का सोमवार को आरोप लगाया और इसे 'जल आतंकवाद' की संज्ञा दी। उसके बाद आम आदमी पार्टी (आप) के संयोजक अरविंद केजरीवाल ने आरोप लगाया कि भाजपा नदी में 'जहर' मिलाकर लोगों को मारने की कोशिश कर रही है। आम आदमी पार्टी के नेताओं पर पलटवार करते हुए हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि दूसरों पर आरोप लगाना ।

न्यायालय ने याचिकाकर्ता से दिल्ली में रोहिंग्या शरणार्थी बच्चों के ठिकाने के बारे में पूछा

नई दिल्ली, (एजेंसी)। उच्चतम न्यायालय ने सोमवार को याचिकाकर्ता गैर सरकारी संगठन (एनजीओ) से पूछा कि क्या रोहिंग्या शरणार्थी बच्चे राष्ट्रीय राजधानी में अस्थायी शिविरों या नियमित आवासीय कॉलोनियों में रह रहे हैं। न्यायमूर्ति सूर्यकांत और न्यायमूर्ति एन. कोटिश्वर सिंह की पीठ एक याचिका पर सुनवाई कर रही थी जिसमें स्कूलों में रोहिंग्या शरणार्थी बच्चों के प्रवेश का मुद्दा उठाया गया था। एनजीओ 'सोशल ज्यूरिस्ट' ने स्थानीय स्कूलों में उनके नामांकन के लिए याचिका की जांच करने से इनकार करने वाले दिल्ली उच्च न्यायालय के पिछले साल अक्टूबर के आदेश को चुनौती देते हुए सर्वोच्च न्यायालय का दरवाजा खटखटाया। उच्च न्यायालय ने कहा कि इस पहलू पर केंद्र को विचार करना होगा क्योंकि यह एक नीतिगत निर्णय है। सोमवार को सुनवाई के दौरान सर्वोच्च न्यायालय ने

याचिकाकर्ता के वकील से पूछा, "वे (रोहिंग्या शरणार्थी बच्चे) कहां रह रहे हैं? उनका पता क्या है? उनके राशन कार्ड कहां हैं?" जब पीठ ने पाया कि याचिकाकर्ता ऐसे बच्चों को स्कूलों में दाखिला देने का निर्देश देने का अनुरोध कर रहा है, तो एनजीओ के वकील ने कहा कि याचिका केवल रोहिंग्या शरणार्थी बच्चों के लिए शिक्षा के अवसरों के बारे में है। उन्होंने कहा कि वे नियमित आवासीय कॉलोनियों में रह रहे हैं, न कि अस्थायी शिविरों में। पीठ ने कहा, "याचिकाकर्ता के वकील ने रोहिंग्या परिवारों के बारे में बेहतर जानकारी देने के लिए दो सप्ताह का समय मांगा है, जिनके बारे में कहा गया है कि वे अस्थायी शिविर के बजाय नियमित आवासीय क्षेत्रों में रह रहे हैं। मामले की अगली सुनवाई 17 फरवरी को होगी।

जब तक किसानों की मांगें मानी नहीं जातीं, तब तक अनिश्चितकालीन अनशन जारी रहेगा : डल्लेवाल

चंडीगढ़, (एजेंसी)। पंजाब के किसान नेता जगजीत सिंह डल्लेवाल ने कहा कि जब तक केंद्र सरकार फसलों के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) की कानूनी गारंटी सहित किसानों की मांगों को स्वीकार नहीं कर लेती तब तक वह अपना आमरण अनशन जारी रखेंगे। डल्लेवाल ने खनौरी धरना स्थल पर मीडिया से कहा कि पूरे देश को एमएसपी की जरूरत है। उन्होंने विस्तार से बताए बिना कहा, "पंजाब को भी अपने भूमिगत जल स्तर को बचाने के लिए एमएसपी की जरूरत है।" केंद्र सरकार के एक उच्च स्तरीय प्रतिनिधिमंडल ने 18 जनवरी को आंदोलनकारी किसानों को उनकी मांगों पर चर्चा करने के लिए चंडीगढ़ में 14 फरवरी को बैठक के लिए आमंत्रित किया था जिसके बाद से डल्लेवाल ने चिकित्सकीय सहायता लेनी शुरू कर दी लेकिन उन्होंने अपना अनशन समाप्त नहीं किया। संयुक्त किसान मोर्चा (गैर–राजनीतिक) के संयोजक डल्लेवाल फसलों के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य की कानूनी गारंटी सहित विभिन्न मांगों को लेकर पिछले साल 26 नवंबर से खनौरी सीमा पर अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल कर रहे हैं। किसान नेता ने आंदोलन को समर्थन देने के लिए किसानों और श्रमिकों को धन्यवाद देते हुए कहा कि किसान मंचों – संयुक्त किसान मोर्चा (गैर–राजनीतिक) और किसान मजदूर मोर्चा – ने केंद्र के उच्च स्तरीय प्रतिनिधिमंडल से 14 फरवरी को बैठक के लिए निमंत्रण मिलने के बाद उनसे चिकित्सकीय सहायता लेने का अनुरोध किया था

जिसके बाद उन्होंने यह सहायता लेना स्वीकार किया। उन्होंने कहा, "मैंने केवल चिकित्सकीय सहायता ली। (उसके बाद) उल्टियां आनी बंद हो गई हैं। मेरा आमरण अनशन जारी है और यह तब तक जारी रहेगा जब तक सरकार हमारी मांगें पूरी नहीं कर देती।" डल्लेवाल ने 14 फरवरी की बैठक में भाग लेने के बारे में कहा कि हर कोई चाहता है कि वह बैठक में शामिल हों। उन्होंने कहा, "लेकिन स्वास्थ्य इसकी अनुमति नहीं दे रहा। मेरे पास जाने की ताकत नहीं है।" डल्लेवाल ने किसानों से 12 फरवरी को खनौरी धरना स्थल पर एकत्र होने की अपील की। उन्होंने कहा, "अगर सभी लोग आएंगे । तो मुझे और ताकत मिलेगी। ईश्वर ने चाहा तो मैं (14 फरवरी को) बैठक में जाकर अपनी बात रख सकूंगा।

संपादकीय

मनरेगा की विसंगति

इसमें दो राय नहीं कि ग्रामीण क्षेत्रों में दृश्य व अदृश्य बेरोजगारी में कमी लाने में महात्मा गांधी राष्ट्रीय रोजगार गारंटी योजना यानी मनरेगा का महत्वपूर्ण योगदान रहा है। इस योजना ने जहां एक ओर ग्रामीण उपभोक्ताओं को अपने गांव के पास रोजगार दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभायी है, वहीं अंतर्राज्यीय प्रवास को कम किया है। साथ ही ग्रामीण उपभोक्ताओं की क्रय शक्ति भी बढ़ी है। काम की तलाश में शहरों को जाने वाले श्रमिकों की संख्या में कमी के भी आंकड़े सामने आए हैं। खासकर कोरोना संकट में जब ग्रामीण महानगरों से पलायन करके बड़ी संख्या में गांव की तरफ लौटे तो इस योजना ने जीवनदायिनी भूमिका निभाई है। लेकिन फिलहाल ग्रामीण आजीविका के लिये जीवन रेखा कही जाने वाली महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना एक बार फिर धन की कमी से जूझ रही है। ऐसा लगता है कि कांग्रेस शासन में शुरू की गई मनरेगा योजना राजग सरकार की प्राथमिकताओं में शामिल नहीं है। वार्षिक वित्तीय संकट से जूझ रही मनरेगा योजना के लिए केंद्र सरकार ने वर्ष 2024–25 में 86,000 करोड़ रुपये आवंटित किए थे। इसके बावजूद 4,315 करोड़ मूल्य का वेतन भुगतान लंबित है। उल्लेखनीय है कि वर्ष 2023–24 में इस योजना के केवल छह माह में ही 6,146 करोड़ का घाटा हुआ था। इसी तरह वर्ष 2022–23 में 89,400 करोड़ का संशोधित धनराशि का आवंटन मूल बजट से 33 प्रतिशत अधिक था। निस्संदेह, ग्रामीण श्रमिकों के लिये लायी गई मनरेगा योजना की वित्तीय जरूरतों को पूरा करने के लिये वार्षिक राशि आवंटन को लेकर सवाल उठने स्वाभाविक हैं। जो केंद्र सरकार की वित्तपोषण की प्राथमिकताओं को लेकर कई प्रासंगिक प्रश्न उठाती है। इस योजना के क्रियान्वयन में वित्तीय तंगी तंत्र की विसंगितयों को ही दर्शाती है। वहीं कांग्रेस ने मनरेगा के अंतर्गत मजदूरी को बढ़ाकर 400 रुपये प्रतिदिन करने की मांग की है। निस्संदेह, यह मांग महंगाई के बीच एक स्थायी समाधान के बजाय एक राजनीतिक दृष्टिकोण को ही दर्शाती है। निस्संदेह, कांग्रेस की यह मांग राजनीतिक लाभ के लिये एक लोकप्रिय कदम तो हो सकता है, मगर यह योजना की मूल समस्या के कारकों को संबोधित करने में विफल रहती है। मौजूदा वक्त में प्राथमिकता समय पर पर्याप्त धन आवंटन करने तथा प्रणालीगत विसंगतियों को दूर करना होनी चाहिए। दरअसल, भुगतान के लिये अपनायी गई प्रणाली से श्रमिकों को भुगतान में परेशानी आती रही है। आधार कार्ड आधारित भुगतान की ब्रिज प्रणाली और राष्ट्रीय मोबाइल निगरानी प्रणाली जैसे तकनीकी कारकों ने भुगतान की उलझनों को बढ़ाया है। ग्रामीण क्षेत्रों में इंटरनेट की कनेक्टिविटी की बाधाओं और आधार सत्यापन की आवश्यकताओं के कारण बड़े पैमाने पर जॉब कार्ड हटाए गए हैं। यही वजह है कि अनेक कारणों के चलते वर्ष 2022 में करीब नौ करोड़ श्रमिकों ने इस योजना तक अपनी पहुंच खो दी है। हालांकि, इस प्रणाली को पारदर्शिता बढ़ाने के उपायों के रूप में प्रचारित किया गया। लेकिन ये कदम लाखों श्रमिकों के लिये आजीविका के मार्ग में बाधा बन गए। उल्लेखनीय है कि मनरेगा को ग्रामीण परिवारों के लिये आजीविका सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिये एक मांग संचालित योजना के रूप में तैयार किया गया था। निस्संदेह, मनरेगा ने ग्रामीण क्षेत्रों में बेरोजगारी के संकट को ही उजागर किया है। ग्रामीण क्षेत्रों में बढ़ती काम की मांग और शहरी क्षेत्रों में नौकरियों की कमी के संकेत लगातार मिलते रहे हैं। निस्संदेह, गांवों में गरीबी उन्मूलन में मनरेगा के योगदान को कम करके नहीं आंका जा सकता। आसन्न बजट में इस योजना से जुड़ी विसंगतियों को दूर करने के लिये गंभीर प्रयास की जरूरत है। सरकार को मनरेगा के लिये एक व्यावहारिक बजट बनाना चाहिए। साथ ही योजना के पारदर्शी क्रियान्वयन के लिये प्रशासनिक बाधाओं को दूर करने को प्राथमिकता देनी चाहिए। निर्विवाद रूप से मनरेगा में मांग के अनुपात में धन का आवंटन लगातार कम हो रहा है। यही वजह है कि फंड की कमी के चलते वर्ष के मध्य में अनुमानित संकट पैदा हो रहा है। जो नीति नियंताओं के इसके क्रियान्वयन के संरचनात्मक अंतर को दर्शाता है। निस्संदेह, इस नीतिगत विसंगति को दूर किया जाना चाहिए।

महू से संविधान-रक्षा की निर्णायक लड़ाई

मध्यप्रदेश के इंदौर के निकट स्थित बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर की जन्मस्थली महू से कांग्रेस ने संविधान की रक्षा की निर्णायक लड़ाई छेड़ दी, जब सोमवार को आयोजित एक विशाल सभा को सम्बोधित करते हुए कांग्रेस के नेता राहुल गांधी ने देश की मौजूदा राजनीतिक, सामाजिक व आर्थिक परिस्थितियों का व्यापक चित्रण करते हुए चेताया कि भारतीय जनता पार्टी की सरकार दलितों, आदिवासियों, एवं कमजोर वर्गों के हक को मार रही है। वंचितों के लिये संविधान के महत्व को समझाते हुए राहुल ने बतलाया कि जिस दिन देश का संविधान खत्म हो जायेगा उस दिन इन वर्गों के लिये कुछ भी नहीं बचेगा। वैसे तो कांग्रेस ने सामाजिक न्याय की लड़ाई पिछले कुछ समय से कई–कई मोर्चों पर और अनेक स्वरूपों में छेड़ रखी है, लेकिन महू की सभा में राहुल ने जिस स्पष्टता व व्यापकता से संविधान की अहमियत प्रतिपादित की तथा उस पर छाये संकटों का ब्यौरा दिया, उसके चलते उम्मीद की जा सकती है कि कांग्रेस का संदेश इन वर्गों तक ही नहीं वरन समग्र समाज तथा देश को समझ में आयेगा कि किस प्रकार से प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारतीय जनता पार्टी संविधान को समाप्त कर लोक अधिकारों का सम्पूर्ण खात्मा करना चाहती है। इस सभा में श्जय बापू जय भीम जय संविधानश् का जो नारा दिया गया है वह कोई रातों–रात गढ़ा गया अथवा एकाएक सोची गयी थीम न होकर एक वैचारिक प्रक्रिया से निकली हुई यह सोद्देश्य लड़ाई है। याद हो कि राहुल ने 7 सितम्बर, 2022 को कन्याकुमारी से लगभग चार हजार किलोमीटर का दक्षिण से उत्तर की ओर पैदल मार्च किया था और जिसका समापन कश्मीर के श्रीनगर में 30 जनवरी, 2023 को हुआ था, उसे श्भारत जोड़ो यात्राश का नाम दिया गया था। वह देश में नफरत के खिलाफ मोहब्बत की यात्रा थी। साम्प्रदायिक सौहार्द्र के लिये निकली उस यात्रा के दौरान अनेक मुद्दों पर राहुल चर्चा करते दिखे जिसमें यह तथ्य सामने आया कि भाजपा एवं उसकी मातृ संस्था राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ एक खास एजेंडे के तहत देश में ऐसा माहौल बना रही है। एक ओर तो वह हिन्दू–मुस्लिमों को लड़ा रही है तो वहीं वह दूसरी ओर अगड़ों–पिछड़ों के बीच खाई को चौड़ा करने के बड़े षडयंत्र और कुचक्र रच रही है। जैसे–जैसे यह यात्रा बढ़ी तो लोगों को यह बात स्पष्ट होने लगी कि इसके पीछे का असली खेल देश के सारे संसाधन मुट्ठी भर कारोबारियों को सौंप देने का है। लाभकारी सार्वजनिक उपक्रम दो बड़े व्यवसायियों के हाथों में देने के दुष्परिणाम ये हैं कि देश में गरीबी, बेकारी और बेहाली छाई है। शिक्षा व स्वास्थ्य सहित सारे जनहित के कार्य ठप पड़े हैं और धर्म व जाति के जरिये भाजपा केवल ध्रुवीकरण में व्यस्त है। विपक्षी दलों सहित सभी तरह की विरोध व असहमतियों की आवाजों को सरकार दबा रही है। आर्थिक शक्तियों पर आधिपत्य करने के लिये भाजपा व उसकी केन्द्र सरकार राजनीतिक ताकत को अपनी मुट्ठी में ले चुकी है। यह कार्य आसानी से करने के लिये ही उसने सामाजिक ताने–बाने को ध्वस्त कर दिया है। इसलिये जब राहुल गांधी ने उस यात्रा का सीक्वल हाई ब्रीड (पैदल व वाहन के जरिये) के रूप में मणिपुर से 14 जनवरी, 2024 से प्रारम्भ कर दो माह बाद मुम्बई में समाप्त किया, तो उसे श्भारत जोड़ो न्याय यात्राश नाम दिया गया जो समय की आवश्यकता है।

लड़ाई-लड़ाई जपने से बेहतर सुलह का जाप

ज्योति

वैश्विक राजनीति के तेजी से बदलते परिदृश्य के बीच, गत सप्ताह बहुत कुछ घटा। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने टीवी चौनल फॉक्स न्यूज को बताया कि उन्होंने अपने शपथ ग्रहण समारोह से ठीक पहले चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग से 'टिकटॉक, व्यापार और ताइवान' को लेकर बात की थी और यह बातचीत दोस्ताना रही। अब हम जानते हैं कि ट्रम्प ने जिनपिंग को अपने शपथ ग्रहण समारोह में आमंत्रित किया था, लेकिन उन्होंने खुद न जाकर अपने उपराष्ट्रपति हान झेंग को भेजा। इतना ही नहीं, उसके बाद से ट्रंप ने टिकटॉक पर प्रतिबंध के अलावा चीनी आयात पर प्रस्तावित अतिरिक्त शुल्क लगाना (60 प्रतिशत की उच्च दर तक) स्थगित कर दिया है। हम यह भी जानते हैं कि शपथ ग्रहण समारोह की पूर्व संध्या तक वाशिंगटन डीसी स्थित भारतीय दूतावास के अधिकारी ट्रम्प की ट्रांजिशन टीम से प्रधानमंत्री मोदी को भी आमंत्रित करने का अनुरोध करते रहे। लेकिन ट्रम्प के लोगों ने यह कहते हुए टालमटोल की कि पहले ही बहुत कुछ हो रहा है और अब पर्याप्त समय भी नहीं बचा दृ कुछ ऐसा ही बहाना। इसके बजाय, उन्होंने विदेश मंत्री एस जयशंकर को उस दोपहर हुए पूरे समारोह में पहली पंक्ति में जगह दी (हान झेंग कहां बैठे, कोई नहीं जानता)। अमेरिकियों को इस बात का अच्छी तरह अहसास है कि किसी भी विदेश नीति की सफलता में 'कोई धारणा बनाने ' का हिस्सा आधा होता है, इसलिए उन्होंने अगले दिन क्वाड मीटिंग का आयोजन भी किया दृ इससे चीनियों को संदेश दिया है कि आप भले ही हम से मुकाबला करने की सोच रहे हैं,लेकिन हमारे साथ भारत, ऑस्ट्रेलिया और जापान भी हैं। सभी के लिए, खासकर भारत के लिए, बड़ा संदेश यह है कि 'नए' अमेरिका को किसी से भी बात करने में कोई गुरेज नहीं है दृ अतएव,हमारे लिए भी अपने अड़ोस–पड़ोस पर नजर डालनी और विचार करना वाजिब होगा कि महाकुंभ में गंगा के प्रवाह से भी अधिक तेजी से कैसे देश अपने दोस्त बदल रहे हैं। एक महीना पहले तक, यही ट्रम्प जिनपिंग को राह पर आने या नतीजा भुगतने की धमकियां दे रहे थे दृलेकिन अब स्याम देश की बिल्ली की तरह 'गुर्रा' रहे हैं। यही नहीं, पिछले सप्ताह की शुरुआत में, 2009 के बाद से पहली बार पाकिस्तान के आईएसआई प्रतिष्ठान की एक टीम बांग्लादेश के लिए रवाना हुई, इसके कुछ दिन पहले बांग्लादेश सशस्त्र बल के मुखिया लेफ्टिनेंट जनरल एसएम कमरुल हसन के नेतृत्व में बांग्लादेशी सैन्य प्रतिनिधिमंडल इस्लामाबाद पहुंचा था। इस तमाम मंथन के बीच, एकमात्र रिश्ता जो दृढ़ बना हुआ है, वह है जिसे पाकिस्तान और चीन 'पहाड़ों से भी ऊंचा, समुद्र से भी गहरा और शहद से भी मीठा' संबंध बताते हैं यानि दोनों के बीच यारी। तो जब आप पृथ्वी को अपनी धुरी पर घूमते हुए देखें तो वहीं पुरानी वफादारी के छिटककर टूटने और नई वफादारियां बनने वाले रोमांच को भी महसूस करें। यह वही है जैसे पंजाब में आप लोहड़ी पर पुरानी और अवांछित लकड़ी को अलाव में डाल देते हैं, जब मकर संक्रांति के दिन माघ का महीना शुरू होता है, और एक नया जीवन–पथ आपकी बाट जोह रहा होता है। जरा देखिए तो, माघ ने अब तक दुनिया को क्या–क्या संकेत दिए हैं रू अमेरिका और चीन के बीच नई दोस्ती, चीन–पाकिस्तान के बीच पुराने संबंधों का अक्षुण्ण बने रहना और साथ ही पाकिस्तान–बांग्लादेश के बीच एक असामान्य घनिष्ठता दृ आखिरकार, एक समय वे एक ही मुल्क का हिस्सा थे, जब तक कि 1971 में उनकी दुनिया बदल नहीं गई और एक नए राष्ट्र का जन्म नहीं हुआ। अब दुनिया फिर से बदल रही है। यह स्पष्ट है कि बांग्लादेश की प्रभारी अब आईएसआई होगी। मुख्य सलाहकार मुहम्मद यूनुस एक ऐसा मुखौटा साबित हुए हैं, जिसने 'रक्षक' वाली अपनी भूमिका बखूबी निभाई है दृ इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि उनका अगला कदम क्या और कब होगा, एक बार फिर दक्षिण एशिया की राजनीतिक बिसात पर शुरू हुए नए महान खेल में नवीनतम दौर को पाकिस्तान ने जीत लिया है। बांग्लादेश में भारत को भले ही कुछ धक्का लगा है दृलेकिन एक तरह से यह अच्छा है कि वह अपने पुराने मित्र यानि शेख हसीना का साथ निभा रहा है। और चूंकि आईएसआई की ढाका में वापसी हो गई है, इसलिए आप इस पर शर्त लगा सकते हैं कि भारत के उत्तर–पूर्व को अस्थिर करने के प्रयास का इस क्षेत्र में नया खेल होगा। याद रहे कि मणिपुर लगभग दो वर्षों के बाद भी हिंसा की त्रासदी से जूझ रहा है, कि असम में भी स्थिति चिंताजनक है, कि मिजोरम को भी शांत नहीं कह सकते दृयह भी कि बांग्लादेश बगल में है। इसलिए गणतंत्र दिवस के दिन जब विदेश सचिव विक्रम मिसरी ने बीजिंग के लिए उड़ान भरी– इस प्रतीकात्मकता की विवेचना किसी और दिन के लिए रखते हुए दृ तथ्य यह है कि हाल ही में रूस के कजान में मोदी–जिनपिंग गले मिले थे, जिसके

पीछे निस्संदेह मध्यस्थता रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन की रही, फलस्वरूप भारत और चीन, दोनों के लिए, लंबे समय से चले आ रहे अपने क्षेत्रीय विवादों पर बातचीत की शृंखला को फिर शुरू करना आसान हुआ। यह एक अच्छी बात है। 'लड़ाई–लड़ाई' करने की तुलना में 'बात–बात' बेहतर है, खासकर जब आप भारत और चीन के बीच भारी सैन्य अंतर को ध्यान में रखें। इसलिए नई बनी सहमति ने भारतीय सैनिकों का उस इलाके में फिर से गश्त लगाना संभव बनाया है, जहां वे अप्रैल 2020 के बाद से जा नहीं पाए थे। हालांकि, यह अभी भी स्पष्ट नहीं है कि 'बफर जोन' कहां है और क्या दोनों पक्ष अप्रैल 2020 से पहले वाले मोर्चों तक पीछे हटेंगे या नहीं। इस बीच, यह भी अच्छी बात है कि प्रधानमंत्री मोदी ट्रंप के साथ जल्द से जल्द बैठक करना चाहते हैं दृइससे वे अमेरिका–चीन के बीच पक रही नई खिचड़ी को समझ सकेंगे, जिसके पीछे मुख्य सूत्रधार एलन मस्क हैं। जाहिर है ट्रंप और मस्क दोनों ही अत्यधिक व्यापार असमानता को फिर से संतुलित करना चाहेंगे, जो वर्तमान में चीन के पक्ष में है, लेकिन उन्हें 'दुश्मन' से बात करने में कोई हिचक नहीं है। पुतिन भी वर्तमान में यही कर रहे हैं दृ घेराबंदी, पैंतरेबाजी, दो–दो हाथ करना। वे कह रहे है: आइए बात करते हैं, आखिर आप चाहते क्या हैं? पिछले दो वर्षों से पुतिन भले ही यूक्रेन में अपने से रोटी–बेटी का रिश्ता रखने वालों पर कहर बरपा रहे हैं, फिर भी यह स्पष्ट है कि उन्होंने बाइडेन के उत्तराधिकारी के साथ बातचीत के लिए तैयारी कर रखी है। भारत के साथ समस्या यह है कि वह बड़े देशों के खेल के बीच भावनाओं को आड़े आने देता है। ट्रंप, पुतिन और जिनपिंग की निस्बत दृ जो अपने 'दुश्मनों' से भी बातचीत करने के लिए सदा तैयार रहते हैं दृ क्योंकि राजनीति का पहला नियम है रू जितना अपने दोस्तों को करीब रखेंश्उससे ज्यादा पास अपने दुश्मनों को । अलबत्ता प्रधानमंत्री मोदी कई कारणों से पाकिस्तान से बात करना करना नहीं चाहेंगे। सीमा पार आतंकवाद, या कुछ और? लेकिन फिर एक खबर यह भी है कि दिल्ली नेपाल के प्रधानमंत्री केपी ओली से खुश नहीं है क्योंकि उन्होंने दिल्ली आने के बजाय पहले बीजिंग की यात्रा करने की हिमाकत की और इसलिए ओली की दिल्ली आमद हमेशा के लिए स्थगित कर दी गई। यह अलग बात है कि पाकिस्तान और नेपाल, दोनों से मनमुटाव का मुख्य लाभार्थी चीन है दृ इसलिए रहस्यमय सवाल यह है कि भारत भले ही इनकी सरकारों से सहमत न हो लेकिन इन देशों के आम नागरिकों को दंडित क्यों कर रहा है? कभी सोचिएगा कि अविश्वसनीय रूप से विविधता से भरपूर, वह प्राचीन राष्ट्र जिसने सदा अपनी लय कायम रखी है, उसे महानता हासिल करने में क्या आड़े आ रहा है? माघ के इस महीने में, जवाब मिल सकते हैं, बस आपको यह पता होना चाहिए है कि उन्हें खोजना कहां है।

गांवों की खुशहाली मापने के लिए बनाएं नए मानदंड

उमेश

दुनिया की पांचवीं बड़ी अर्थव्यवस्था वाले अपने देश की पहचान उसके गांव रहे हैं। देश सिर्फ ग्रामीण संस्कृति और कृषि व्यवस्था के लिए ही नहीं, सहकार और शिल्पकारी के लिए भी वैश्विक पहचान रखते रहे हैं। सोने की चिड़िया कहे जाने वाले दौर में भी भारतीय कृषि और आर्थिकी के आधार गांव ही रहे। यह बात और है कि अंग्रेजी शासन के दौरान से भारतीय गांवों का पतन शुरू हुआ। इसके बाद भारतीय गांव गरीबी और मजबूरी के पर्याय माने जाने लगे। लेकिन घरेलू उपयोग और खर्च के ताजा सर्वेक्षण की रिपोर्ट बता रही है कि गांवों की आर्थिक तस्वीर बदलने लगी है। भारत सरकार के सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय की ओर से घरेलू उपयोग और खर्च के लिए कराए गए सर्वेक्षण के अनुसार शहरी और ग्रामीण इलाकों में घरेलू खर्च का जो पहले अंतर रहता था, वह लगातार घटता चला गया है। अगस्त 2023 से जुलाई 2024 के दौरान किए गए सर्वेक्षण के मुताबिक, ग्रामीण और शहरी भारत में प्रति व्यक्ति औसत मासिक खर्च 4,122 रुपये और 6,996 रुपये हो गया है। जबकि पहले यानी 2022 से 2023 के बीच यह खर्च क्रमशरू 3,773 रुपये और 6,459 रुपये थाय यानी शहरी और ग्रामीण भारत की प्रति व्यक्ति खर्च दर में बड़ा अंतर था। मोटे तौर पर यह आंकड़ा बता रहा है कि हाल के दिनों में ग्रामीण इलाकों में आर्थिक समृद्धि पहले की तुलना में बढ़ी और उस लिहाज से खर्च भी बढ़ा है। 2011 की जनगणना के अनुसार भारत की 68 प्रतिशत आबादी गांवों में रहती है, जबकि 32 प्रतिशत आबादी शहरों में है। स्वाधीन भारत में विशेषकर उदारीकरण के बाद जिस तरह का विकास मॉडल हमने अपनाया, उसमें शहरी विकास पर सबसे ज्यादा फोकस रहा, ग्रामीण विकास या तो रस्मी रहा या फिर उस पर फोकस शहरों की तुलना में कम रहा। शहरों की ओर रोजगार और जीवन सुविधाएं केंद्रित होती चली गईं। शिक्षा के भी बेहतर अवसर गांवों की तुलना में शहरों की ओर बढ़ते गए। इस लिहाज से ग्रामीण क्षेत्रों से सबसे ज्यादा पलायन रोजगार और शिक्षा के लिए हुआ। फिर जिन परिवारों के पास सहूलियतें बढ़ीं, उन परिवारों ने अपनी हैसियत और बजट के लिहाज से मुफीद पाए जाने वाले शहरों की ओर रहने के लिए रूख किया। यही वजह है कि शहरी और ग्रामीण आबादी का जो अनुपात आबादी के समय था, वह आज बदल चुका है। आजादी के वक्त तकरीबन 80 फीसद से ज्यादा लोग गांवों में रहते थे, अनुमान है कि वह घटते–घटते अब साठ और पैंसठ फीसद के बीच आ गई है। रिकॉर्ड पर ग्रामीण आबादी का इतना बड़ा हिस्सा भले ही गांवों में बसता हो, लेकिन हकीकत यह है कि इसमें एक बड़ा हिस्सा शहरों में रोजी–रोटी और शिक्षा के लिए कभी शौकिया तो कभी मजबूरीवश रहने को मजबूर है। इसलिए रिकॉर्ड की तुलना में वास्तविक ग्रामीण आबादी अब और भी कम हो चुकी है। घरेलू खर्च के इस नए आंकड़े को देखते वक्त हमें इस संदर्भ पर भी ध्यान देना होगा। बहरहाल हमें यह भी ध्यान देना होगा कि ग्रामीण इलाकों में खाद्यान्न विशेषकर गेहूं और चावल पर खर्च में निजी या पारिवारिक खर्च में कमी आई है। इसकी वजह यह है कि सरकार की ओर से तमाम तरह की योजनाएं और सामाजिक कल्याण कार्यक्रम चल रहे हैं। मुफ्त खाद्यान्न योजना समेत कई अन्य सामाजिक कल्याण कार्यक्रमों के जरिये मुफ्त में मिल रही चीजों की कीमतों को ध्यान में रखें तो घरेलू खर्च के ये आंकड़े ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों के लिए क्रमशः 4,247 रुपये और 7,078 रुपये हो जाते हैं। मौजूदा कीमतों के संदर्भ में देखें तो शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में प्रति व्यक्ति खर्च पर औसत आठ और नौ प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है। साल 2011–12 में शहरी और खपत खर्च के बीच 84 प्रतिशत का अंतर था, जो 2022–23 में घटकर 71 प्रतिशत हो गया। जो अब 70 फीसद ही रह गया है। इन आंकड़ों से ग्रामीण इलाकों में बढ़ती खुशहाली की तसवीर सामने आती है। दिलचस्प यह है कि इस आंकड़े में खाने–पीने के अलावा की चीजों पर शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में यह खर्च 60 और 53 प्रतिशत रहा। इसका मतलब साफ है कि अब ग्रामीण इलाकों में भी वाहन, कपड़े, बिस्तर, जूते, मनोरंजन एवं टिकाऊ आदि सामानों पर खर्च बढ़ा है। इससे साफ है कि उपभोक्तावाद ने ग्रामीण इलाकों पर भी जोरदार दस्तक दी है। वैसे ऑनलाइन स्टोर से गांवों में खरीददारी बढ़ी है और उनके डिलीवरी एजेंटों की बाइकें अब ग्रामीण इलाकों का भी खूब चक्कर लगा रही हैं। पिछले साल मई में रिजर्व बैंक ने भी ग्रामीण इलाकों में बढ़ती खपत खर्च को लेकर ऐसे ही आंकड़े जारी किए थे। इन्हीं आंकड़ों के आधार पर रिजर्व बैंक के गवर्नर शक्तिकांत दास ने उम्मीद जताई थी कि भारतीय अर्थव्यवस्था में तेजी रहेगी और देश की जीडीपी दर मे 7.3 प्रतिशत की बढ़ोत्तरी हो सकती है। लेकिन रिजर्व बैंक ने इसी रिपोर्ट में ग्रामीण इलाकों में बढ़ते कर्ज को लेकर भी रिपोर्ट जारी की थी। सांख्यिकी और कार्यक्रम क्रियान्वयन मंत्रालय की रिपोर्ट में भी कर्ज को लेकर चौंकाने वाले तथ्य सामने आए हैं। इसके मुताबिक, कर्ज लेने में ग्रामीण क्षेत्रों के लोग कहीं ज्यादा आगे हैं। गांवों में प्रति एक लाख लोगों में 18,714 लोग ऐसे हैं, जिन्होंने कोई न कोई कर्ज ले रखा है, जबकि शहरों में यह आंकड़ा 17,442 प्रति लाख ही है। साफ है कि उपभोक्तावाद ग्रामीण संस्कृति को बदलने में बड़ी भूमिका निभा रहा है। कर्ज कभी गांवों के लोगों के लिए सिरदर्द होते थे, इसलिए वहां बचत केंद्रित आर्थिकी पर जोर था। लेकिन अब इसमें गिरावट आई है। इसका मतलब साफ है कि गांवों में खर्च भले ही बढ़ रहा है, लेकिन यह भी सच है कि गांवों की तसवीर अभी कम से कम वैसी नहीं हो पाई है, जिस स्तर पर शहरी तसवीर है। गांवों का समृद्ध होना जरूरी है। हाल के दिनों में जनसंख्या को बढ़ाने और न बढ़ाने को लेकर सियासी तौर पर अपने–अपने तर्क दिए जा रहे हैं। इन तर्कों के अपने आधार हो सकते हैं। लेकिन इससे शायद ही कोई इनकार करेगा कि भारत के शहरों की सांस अगर फूल रही है तो इसकी बड़ी वजह उनकी ओर बेतहाशा हो रहा पलायन और उस बड़ी जनसंख्या के लिए इस्तेमाल हो रहे उपभोक्ता वस्तुओं का बड़ा योगदान है। भारत में आबादी बढ़ाने की जगह आबादी के समन्वित और संतुलित वितरण की जरूरत ज्यादा है। ग्रामीण इलाकों में आबादी को रोकने की कोशिश होनी चाहिए। ग्रामीण आबादी को बुनियादी शिक्षा और रोजगार गांवों या उसके आसपास ही उपलब्ध कराने की नीतियों पर आगे बढ़ना चाहिए। अगर

बाजार का हथियार पर अपनों से लाचार

क्षमा

पिछले दिनों दस जनवरी को मनाए जाने वाले विश्व हिंदी दिवस के मौके पर जवाहर लाल नेहरू विश्वविद्यालय में दुनियाभर में फैलती हिंदी, बाजार की भाषा बनती हिंदी, विश्व के डेढ़ सौ से अधिक विश्वविद्यालयों में पढ़ाई जाने वाली हिंदी के विभिन्न पहलुओं पर मंथन हुआ। वक्ताओं का कहना था कि अगर हिंदी और उसकी बहन उर्दू को जोड़ लिया जाए, तो यह विश्व की तीसरे नम्बर की भाषा होगी। यह भी कि यू–ट्यूब पर भी हिंदी दुनिया की चौथे नम्बर की भाषा है। विडंबना है कि अपने देश में हिंदी और उसके बोलने वालों की भारी उपेक्षा है। हिंदी को हमेशा दोयम दर्ज की भाषा माना जाता है। अगर अंगरेजी नहीं आती, तो आप सफल नहीं हो सकते। नौकरी पाने के लिए यह अपने देश की सच्चाई है। जबकि अपने देश में साठ करोड़ के आसपास लोग हिंदी बोलते, समझते, लिख–पढ़ सकते हैं। जब नेतागण एक–एक वोट का हिसाब लगाते हैं, तो ये साठ करोड़ लोग क्यों नहीं दिखते। क्या इनके वोट की कोई कीमत नहीं। लोकसभा में आधी से अधिक सीटें हिंदी भाषी क्षेत्रों से आती हैं। लोकसभा की कार्यवाहियों का हिंदी में लाइव प्रसारण भी होता है। बड़े विज्ञापनदाता अपने दृअपने उत्पाद का विज्ञापन हिंदी में कराना चाहते हैं। सारे बड़े चौनल्स हिंदी में हैं। तमाम दक्षिण भारतीय फिल्में हिंदी में डब की जाती हैं और भारी मुनाफा और दर्शक जुटाती हैं। दक्षिण की तमाम हीरोइंस दृहीरो हिंदी फिल्मों में काम करना चाहते हैं। लेकिन दक्षिण की राजनीति देखिए कि हिंदी के नाम पर हिंदी भाषी लोगों को चाहे जब खदेड़ दिया जाता है। हिंदी साम्राज्यवादी है, यह कहकर हजारों लोगों के रोजगार छीनकर, उन्हें रातोंरात भगा दिया जाता है। अफसोस मीडिया में, साहित्य में इन के विस्थापन के विरोध में एक शब्द सुनाई नहीं देता है। आखिर क्यों। एक बार मशहूर बांग्ला लेखिका महाश्वेता देवी ने कहा था कि जब उनकी पुस्तकों का अनुवाद हिंदी में हुआ, तब उन्हें पूरे भारत भर में प्रसिद्धि मिली। पहले हिंदी फिल्मों में काम करने वाले अभिनेता–अभिनेत्रियां हिंदी बोलना अपनी हैसियत से नीचा समझते थे। लेकिन अब नई पीढी के अभिनेता–अभिनेत्रियां, अपनी हिंदी सुधारने के लिए विशेष ट्रेनिंग ले रहे हैं। सारा अली खान ने एक इंटरव्यू में कहा था कि हिंदी फिल्मों में आने के लिए सबसे पहले मैंने अपनी हिंदी को सुधारा। जिन अमिताभ बच्चन को सदी का महानायक कहा जाता है , वह हिंदी बोलने में गौरव महसूस करते हैं। एक बार सैफ अली खान ने कहा था कि उन्हें अमिताभ बच्चन की हिंदी से रश्क होता है। लेखिका की घरेलू सहायिका तमिलनाडु की है। वह अरसे से दिल्ली में रहती है। कई साल पहले, उसने बारहवीं पास कराकर अपनी लड़की की शादी तमिलनाडु के दूर–दराज गांव में कर दी। कुछ ही महीने बाद उसने बताया कि उसकी लड़की की गांव के स्कूल में नौकरी लग गई है। यह आश्चर्य की बात थी, आखिर इन दिनों बारहवीं पास को कहां नौकरी मिलती है। पूछने पर उसने कहा कि लड़की स्कूल में हिंदी पढ़ाती है। हिंदी, क्या वहां लोग हिंदी सीखना चाहते हैं। उसने कहा दृहां। क्योंकि दक्षिण में रोजगार नहीं है। वे हिंदी भाषी क्षेत्रों में आना चाहते हैं। इसलिए माता–पिता अपने बच्चों को हिंदी सिखाना चाहते हैं। फिर अगले किसी साल उसने खुश होते हुए बताया कि पहले तो उसकी लड़की को पांच हजार रुपये ही मिलते थे, मगर अब दस हजार कमाने लगी है और बहुत खुश है। लेकिन जब भी चुनाव आते हैं, हिंदी विरोध का झंडा उठा लिया जाता है। एक बार मैसूर के एक कलेक्टर ने सड़कों पर हिंदी में भी नाम लिखवा दिए थे, जिससे हिंदी भाषी लोग जब इन इलाकों में जाएं, तो सुविधा हो सके। इस बात का यह कहकर भारी विरोध किया गया था कि कर्नाटक के लोगों पर हिंदी लादी जा रही है। एक बार चेन्नई से पांडिचेरी तक टैक्सी से गई थी। रास्ते भर सड़क के किनारे हर उस जगह पर कालिख पोती गई थी, जहां हिंदी में कुछ भी लिखा था। गांव का नाम या कुछ और। कुछ साल पहले एक और खबर पर नजर पड़ी थी कि बांग्ला भाषी काम–काजी लोग, जब दक्षिण में कम–काज के सिलसिले में जाते हैं, तो वे वहां हिंदी बोलते हैं, क्योंकि वहां लोग हिंदी समझते हैं। लेकिन

यहां इस सच्चाई को भी स्वीकार करना चाहिए कि हिंदी की दुर्दशा में हिंदी भाषी लोगों का कोई कम योगदान नहीं है। जैसे ही हम किसी बड़े पद पर पहुंचते हैं, हिंदी हमारे शब्दकोश से गायब हो जाती है। हम हिंदी बोलने वाले, उसे बरतने वाले नहीं दिखना चाहते। आखिर हिंदी भाषी लोग यह कहकर कि उनकी हिंदी अच्छी नहीं है, कि वे हिंदी नहीं जानते, इसमें इतना गौरव क्यों महसूस करते हैं। यदि आप विदेश जाते हैं, तो यह आपकी समस्या है कि आपको उनकी भाषा नहीं आती। आप उसे सीखें, तभी वहां काम कर सकते हैं।

प्रयागराज कुंभ मेले में एसएसपी ने किया स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का शुभारंभ

(राजेश श्रीवास्तव ब्यूरो चीफ)

अयोध्या। महाकुंभ प्रयागराज मीडिया सेल के मुताबिक गणतंत्र दिवस के अवसर पर पुलिस मित्र, कमिश्नरेट प्रयागराज पुलिस तथा कुम्भ मेला पुलिस द्वारा पुलिस लाइन परेड के संकल्प प्रशिक्षण पंडाल में स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का आयोजन सुबह 10 बजे से प्रारम्भ किया गया,जिसमे कुल 218 रक्तदानियों द्वारा रक्तदान किया।इस शिविर का उद्घाटन एसएसपी महाकुम्भ श्री राजेश द्विवेदी द्वारा दीप प्रज्वलित कर किया गया तथा रक्तदाताओ का उत्साहवर्धन भी किया गया। इस शिविर में जनपद प्रयागराज के एएमए ब्लड बैंक, काल्विन ब्लड बैंक एवं एसआरएन ब्लड द्वारा ब्लड कलेक्शन किया गया।कमिश्नरेट प्रयागराज तथा कुम्भ मेले में किसी भी प्रकार की आकस्मिक स्थिति उतपन्न होने पर यह रक्त सुरक्षित किया गया है।उक्त शिविर में पुलिस के अधिकारीध कर्मचारियों,अर्धसैनिक बल, महिलाओं, आमजनमानस एवं अन्य जनपदों मिर्जापुर, वाराणसी, सोनभद्र तथा हरियाणा से आये रक्तदाताओ द्वारा रक्तदान किया गया तथा रक्तदान करने वाले सभी रक्तदाताओ को प्रशस्ति पत्र द्वारा सम्मानित भी किया गया।पुलिस मित्र, कमिश्नरेट प्रयागराज पुलिस एवं कुम्भ मेला पुलिस द्वारा आयोजित किये गए इस मानवीय कार्य की प्रशंसा उच्चाधिकारियों एवं आमजनमानस द्वारा की गयी।

प्रयागराज स्नान करने न जाने के लिए जिलाधिकारी में लोगों से किया अनुरोध

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर,। जिलाधिकारी डॉ0 दिनेश चंद्र के द्वारा अवगत कराया गया है कि जिला प्रशासन प्रयागराज की सूचना के अनुसार मौनी अमावस्या के अवसर पर प्रयागराज में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ है जिसके कारण अल्पसमय के लिए प्रयागराज जाने वाले वाहनों का आवागमन रोका गया है जिससे व्यवस्थाए सुचारू रूप से संचालित हो सके जिसके क्रम में जिलाधिकारी द्वारा श्रद्धालुओं को सुरक्षित स्नान कराने तथा सुरक्षा के दृष्टिगत श्रद्धालुओं से अभी प्रयागराज न जाने तथा संयम बरतने के साथ ही जिला प्रशासन का सहयोग करने का विनम्र अनुरोध किया गया है।जिलाधिकारी द्वारा सुबह से ही मछलीशहर, सतहरिया इत्यादि क्षेत्रों में भ्रमणशील रहकर यातायात, सुरक्षा व्यवस्था, श्रद्धालुओं के ठहरने, शौचालय पेयजल सहित अन्य व्यवस्थाओं का जायजा लिया जा रहा है। उन्होंने अधिकारियों को श्रद्धालुओं के लिए रोडवेज, लोहिया पार्क सहित अन्य जगहों पर निःशुल्क ठहरने, उनके खाने–पीने की पर्याप्त व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिये है। श्रद्धालुओं को किसी भी प्रकार की समस्या न हो इसके लिए जिला स्तरीय अधिकारीगण सुबह से ही सक्रिय होकर कार्य कर रहे है। जिलाधिकारी ने बताया कि। मुंगराबादशाहपुर के सतहरिया क्षेत्र में प्रयागराज मेला क्षेत्र में जाने वाले श्रद्धालुओं के लिए जिला प्रशासन के द्वारा नाश्ता, खाने–पीने की पर्याप्त व्यवस्था की गई है। श्रद्धालुओं को लंच पैकेट, बिस्कुट, भोजन, पेयजल आदि उपलब्ध कराया जा रहा है, जिलाधिकारी ने कहा कि जिला प्रशासन सक्रिय रहकर यह सुनिश्चित कर रहा है कि श्रद्धालुओं को किसी भी प्रकार की समस्या का सामना न करना पड़े।

धूमधाम से मनाया गया गणतंत्र दिवस

मृत्युंजय प्रताप सिंह

लखनऊ ।पूरे देश और प्रदेश में गणतंत्र दिवस का त्यौहार काफी धूमधाम के साथ मनाया गया, इसी क्रम में इंद्रानगर स्थित सिटी इंटरनेशनल स्कूल में भी गणतंत्र दिवस काफी धूमधाम के साथ मनाया गया। इस दौरान देशभक्ति से जुड़े तमाम कार्यक्रमों की प्रस्तुति की गई जिसमें सिटी इंटरनेशनल स्कूल के तमाम छात्र–छात्राओं ने बढ़–चढ़ कर हिस्सा लिया। कार्यक्रम के दौरान स्कूल की प्रिंसिपल बिट्टो अग्रवाल, हेड ऑफ ऐकेडमिक अफेयर जारा हुसैन व हेड सीबीएससी व एडमिन निशांत जयसवाल समेत स्कूल के तमाम प्रशासनिक अधिकारी व कर्मचारी मौजूद रहे। बातचीत के दौरान प्रधानाचार्य ने बताया कि गणतंत्र दिवस सभी देशवासियों के लिए गर्व

का मौका है जिसे हम सबको मिलकर धूमधाम के साथ मनाना चाहिए और इसी परंपरा को आगे बढ़ाते हुए सिटी इंटरनेशनल स्कूल में न ही सिर्फ गणतंत्र दिवस मनाया गया बल्कि छात्र–छात्राओं में राष्ट्र के प्रति प्रेम और जिम्मेदारी की भावना को भी सशक्त किया गया। वहीं स्कूल की ऐकेडमिक हेड जारा हुसैन ने कार्यक्रम में बढ़–चढ़ कर भाग लेने वाले तमाम छात्र–छात्राओं की तारीफ की। उन्होंने कहा कि यह पर्व पूरे देश और प्रदेश के लिए गौरव का प्रतीक है और गणतंत्र दिवस का जोश पूरे विश्व में एक अलग की छाप छोड़ता है। उन्होंने बताया कि गणतंत्र दिवस का इतिहास स्वर्णिम अक्षरों से लिखा गया है जिसमें तमाम स्वतंत्रता सेनानी और वीर जवानों का संघर्ष शामिल है। वहीं स्कूल के हेड सीबीएससी व एडमिन निशांत जयसवाल ने छात्रों की तारीफ करते हुए कहा कि छात्रों ने इस आयोजन को सफल बनाने के लिए काफी मेहनत की। भीषड़ सर्दी होने के बावजूद छात्र–छात्राओं का जोश कम नहीं हुआ और अपनी मेहनत और अथक प्रयास से इन तमाम छात्र–छात्राओं ने गणतंत्र दिवस के इस पर्व को सफल बनाया। उन्होंने आगे कहा कि सभी छात्र–छात्राओं को स्वतंत्रता सेनानियों व देश के वीर जवानों के संघर्ष का ना ही सिर्फ सम्मान करना चाहिए बल्कि उनके जीवन से भी सीखना चाहिए।

मिल्कीपुर उप चुनाव मे भाजपा द्वारा किया जा रहा आचार संहिता का उल्लंघन – अवधेश प्रसाद

(डाक्टर अजय तिवारी जिला संवाददाता)

अयोध्या। मिल्कीपुर उप चुनाव को निष्पक्ष व पारदर्शी रुप से सम्पन्न कराने के लिये जिला चुनाव अधिकारी व चुनाव आयोग को ज्ञापन सौपा जायेगा।यह बातें बुधवार को सिविल लाइन स्थित एक होटल मे आयोजित एक पत्रकार वार्ता मे कही।उन्होंने कहा कि सत्ता पक्ष की तरफ से भाजपा द्वारा आचार संहिता का खुल्लम खुल्ला उलघंन हो रहा है।बताया कि मतदान केन्द्रो पर पीठासीन अधिकारियों और चुनाव में लगे हुए कर्मचारियो की ड्यूटी जो मतदान में लगाई जा रही है देखा जाये वें भारतीय जनता पार्टी के या तो वे पदाधिकारी रहे है।या भारतीय जनता पार्टी के सगंठन से उनके सम्बन्ध है।इस मौके पर उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी के कार्यालय से जिन– जिन नामों की सूची दी जा रही है, उन्हीं को चुनाव के दिन पीठासीन अधिकारी ध सरकारी कर्मचारी के रूप में डयूटी पर लगाया जा रहा है। जिसके सम्बन्ध में हम समाजवादी पार्टी के तरफ से आपको ज्ञापन भी पूर्व में दिया जा चुका है।जिसमें ये भी निवेदन पूर्वक अवगत कराया गया था कि पीठासीन अधिकारियों व डयूटी पर लगे कर्मचारियों में अनुसूचित जाति, पिछडी जाति व अल्पयंख्यक (पी०डी०ए०) के लोगों को डयूटी में नही लगाया जा रहा है, जो चुनाव अचार संहिता के निर्देशो के प्रतिकूल है। यह भी निवेदन किया गया था कि अच्छा होगा कि 2024 में सम्पन्न हुए 54– लोकसभा फैजाबाद के चुनाव में जिन अधिकारियों एवं कर्मचारियों अथवा वर्ष–2022–के विधानसभा के चुनाव में जिन पीठासीन अधिकारियों एवं कर्मचारियों को यदि सेवा निवृति नही हुए है, उनको चुनाव डयूटी में लगाया जाता है तो आपत्ति की गुजांइश नही होगी, इस पर आप से सहानुभूति पूर्वक विचार करने की कृपा करें।बताया कि बी०एल०ओ० द्वारा जो पर्ची मतदान के लिए वितरित की जा रही है, वह बहुत ही सीमित है।यहाँ तक की जहाँ पर 900 मतदात है वहाँ अभी तक मात्र 100 पर्ची ही पहुंच पाई है।साजिश के तहत समाजवादी पार्टी व मतदाताओं को चिन्हित कर उनके मत पर्चियों को रोक लिया गया है,जिससे वे समाजवादी पार्टी के प्रत्याशी के पक्ष में मतदान न कर सकें।जो कि चुनाव आयोग के दिशा निर्देश का साफ साफ उल्लंघन है।मिल्कीपुर उप चुनाव मे सपा उम्मीदवार पूर्ण बहुमत सें विजयी होंगी।इस मौके पर हामिद जाफर सहित अन्य सपा पदाधिकारी मौजूद रहे।

PDA पंचायत कार्यक्रम समाजवादी पार्टी के नगर सचिव एवं वार्ड के प्रभारी सनी कनौजिया के द्वारा आयोजित।

मृत्युंजय प्रताप सिंह पत्रकार

लखनऊ। मुख्यमंत्री आवास के पास स्थित मार्टिन पूरवा बड़ी मस्जिद के पास महात्मा गांधी विक्रमादित्य वार्ड में पीडीए पंचायत कार्यक्रम समाजवादी पार्टी के नगर सचिव एवं वार्ड के प्रभारी सनी कुमार कनौजिया के द्वारा आयोजित किया गया। जिसमें मुख्य अतिथि मध्य विधानसभा विधायक रविदास मल्होत्रा मौजूद रहे। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के निर्देश पर पीडीए समाज के हर युवक, युवती, महिला पुरुष ने यह ठान लिया है कि वह सामाजिक एकजुटता से राजनीतिक शक्ति प्राप्त करके अपनी सरकार बनाएंगे और बाबा साहब और उनके संविधान को अपमानित और खारिज करने वालों को हमेशा के लिए सत्ता से हटा देंगे सदियों से पीडीए समाज के जिन चेहरों पर अपमान उत्पीड़न दुख और दर्द रहा है उन चेहरों पर उज्जवल भविष्य की मुस्कान आएगी और फिर उनके घर परिवार बच्चों के लिए सम्मान से जीने की नई राह खुल जाएगी देश का संविधान और बाबा साहेब का मान व आरक्षण बचाए और अपने सुनहरे नए भविष्य के लिए एकजुट हो जाए

कार्यक्रम आयोजक सपा नगर सचिव सनी कुमार कनौजिया और मंच का संचालन सपा नगर सचिव जयराम कन्नोजिया के द्वारा किया गया इस मौके पर मध्य विधानसभा अध्यक्ष मोहम्मद अहमद, प्रदेश अध्यक्ष पायल किन्नर सभा, प्रदेश सचिव लता जायसवाल, सुधा जायसवाल पूर्व नगर अध्यक्ष, हाजी साहब गुड्डू विशेष आमंत्रित सदस्य प्रदेश कार्यकारी, नीरज यादव पूर्व पार्षद उमाकांत रावत, संजय यादव, अरुण यादव, सुनील तेंदुआ, मुन्नूलाल धानुक, गोपाल कृष्ण कनौजिया, पन्ना जी, राकेश यादव, अजय यादव, साहिबा सुल्ताना, नसरीन बानो, अमिता, सलमान, सुल्ताना जी, शिव प्रताप यादव, राजकुमार कनौजिया, प्रेमलाल आदि सपा नगर पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता तथा सैकड़ों की संख्या में क्षेत्रीय लोग उपस्थित रहे।

राजकीय पुस्तकालय को मिली सौ से अधिक किताबें

अवनीश पाण्डेय

(डाक्टर अजय तिवारी जिला संवाददाता)

अयोध्या।राजकीय पुस्तकालय को मिली सौ से अधिक किताबें राजकीय लाइब्रेरी जनपद अयोध्या के प्रभारी सह जिला विद्यालय निरीक्षक अवनीश पांडे की क्रियाशीलता से जिला विद्यालय निरीक्षक के निर्देशन में पुस्तकालय में अध्ययन रात छात्र–छात्राओं को प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी हेतु 170 पुस्तकों का बंडल शासन द्वारा उपलब्ध कराया गया।इसके पूर्व कक्षा 6 से 12 तक की सभी पुस्तक एनसीईआरटी की 47 पुस्तक सहयोग से उपलब्ध कराया गया था जिला विद्यालय डॉक्टर पवन कुमार तिवारी ने पुस्तकों का अवलोकन किया और खुशी जाहिर की।उन्होंने निर्देशित किया कि प्रतियोगी छात्र–छात्राओं से समन्वय स्थापित करके पुस्तकों के लिए मांग पत्र उपलब्ध कारण जिससे और भी पुस्तक मंगाई जा सके मुख्य विकास अधिकारी द्वारा निरीक्षण के दौरान जो निर्देश दिए गए थे।उसके क्रम में तेजी से कार्य हो रहा है पुस्तकालय में बैठने की सुविधा प्रकाश की सुविधा शुद्ध पेयजल जल की व्यवस्था स्वच्छ शौचालय की व्यवस्था एवं समसामयिक घटनाओं की सूचना हेतु कार्य तेजी से किया जा रहा है इस कार्य मैं जनपद के प्रधानाचार्यो, शिक्षको, स्काउट के मुख्यालय आयुक्त आलोक तिवारी, अनूप पांडे, संजीव चतुर्वेदी,सत्य प्रकाश अपना सहयोग दे रहे हैं।जल्द ही राजकीय पुस्तकालय अयोध्या प्रदेश का अग्रणी पुस्तकालय होगा।

डायवर्जन को लेकर भ्रम में रही पुलिस, तीर्थ यात्रियों को लौटना पड़ा घर

बस्ती, (संवाददाता)। कस्बे में सोमवार को अयोध्या की तरफ जाने वाले चार पहिया समेत बड़े वाहनों को पुलिस ने बैरीकेडिंग लगाकर रोक दिया। पुलिस ने छावनी तिराहा से गाड़ियों को रामजानकी मार्ग पर मोड़ दिया। गाड़ियां रोके जाने से प्रयागराज, अयोध्या जाने वाले तीर्थ यात्रियों को परेशानी हुई। फोरलेन पर लंबा जाम लगने से मौके पर पहुंचे सीओ हर्रैया संजय सिंह ने कहा कि तीर्थ यात्रियों को आगे जाने की छूट है। जिले की सीमा घघौवा में भी वाहनों को रोका जा रहा है। अयोध्या में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के पहुंचने से बस्ती से अयोध्या जाने वाले मार्ग पर यातायात दिन में दो बजे से रोक दिया है। इससे छावनी से चौकड़ी टोल प्लाजा के पास तक जाम लग गया। यातायात रोके जाने से प्रयागराज जाने के लिए निकले तीर्थ यात्रियों को मजबूरन घर लौट आना पड़ा। बभनगांवा निवासी सुखराम सविता, गुड्डू मिस्त्री, गुंडा कुंवर निवासी सुबोध सिंह, बब्बू सिंह, राम कुमार गुप्ता, सुखदेव शर्मा ने बताया कि सवारी गाड़ियों के रोके जाने से प्रयागराज नहीं जा पाए। पुलिसकर्मियों ने बताया कि उच्चाधिकारियों के निर्देश पर यातायात रोका गया है।

डीडीयू में बीएड की परीक्षा चल रही थी, 75 की जगह 100 अंक का प्रश्नपत्र- शिक्षक खुद हैरान

गोरखपुर, (संवाददाता)। दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय और संबद्ध कॉलेजों में चल रही बीएड के विषम सेमेस्टर की परीक्षाओं में एक बड़ी गड़बड़ी सामने आई है। तृतीय सेमेस्टर के प्रश्नपत्र 75 अंक की जगह 100–100 अंक के आ रहे हैं। प्रश्नपत्र देख परीक्षार्थी भी हैरान हैं। शिक्षकों के पास भी इस चूक का कोई जवाब नहीं है। सीबीसीएस पैटर्न के मुताबिक 100 अंकों में 25 अंकों का आंतरिक मूल्यांकन होना है, जबकि 75 अंकों का बाह्य मूल्यांकन। करीब सभी कॉलेजों ने आंतरिक मूल्यांकन का अंक चढ़ाकर डीडीयू के पोर्टल पर अपलोड भी कर दिया है। ये प्रश्नपत्र सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे हैं। विश्वविद्यालय

समेत 12 केंद्रों पर बीएड विषम सेमेस्टर की परीक्षाएं 22 जनवरी से चल रही हैं। 22 जनवरी को ग्रुप ए का पेपर था। इसके बाद 25 को 'प्रिंसिपिल एंड मेथड ऑफ टीचिंग' विषय का पेपर था। ये दोनों पेपर 75–75 अंकों के होने चाहिए थे। लेकिन प्रश्नपत्र के ऊपर पूर्णांक 100 दिया है। अंदर भी 15–15 अंकों में बंटे 5 प्रश्न होने चाहिए लेकिन ये 20–20 अंकों के हैं। परीक्षार्थियों का कहना है कि प्रश्नपत्र 100 अंक के आ रहे हैं, जबकि 75 अंकों का ही बताया गया था। अधिकतम 100 अंक के ही प्रश्नपत्र हैं, जबकि आंतरिक मूल्यांकन को लेकर इस तरह 125 अंक हो जा रहे हैं। शिक्षा संकाय के अधिष्ठाता प्रो. राजेश कुमार सिंह ने दावा किया कि मॉडरेशन में कोई चूक नहीं हुई है। यह प्रिंटिंग प्रेस की चूक है।

22 वर्ष पूर्व पुजारी हत्याकांड में बर्खास्त सिपाही को उम्रकैद

बस्ती, (संवाददाता)। विशेष न्यायाधीश एससी–एसटी एक्ट कमलेश कुमार की अदालत ने रविदास मंदिर के पुजारी की हत्या के 22 साल पुराने मामले में एफआईआर कराने वाले बर्खास्त सिपाही को ही अपराधी मानते हुए आजीवन कारावास व 10 हजार रुपये अर्थदंड की सजा सुनाई है। अर्थदंड न अदा करने पर तीन माह की अतिरिक्त सजा भुगतनी पड़ेगी। संतकबीरनगर जनपद के मेंहदावल थाना क्षेत्र के सुनिहवा गांव रविदास मंदिर के बुजुर्ग पुजारी संत तुलसीदास इसी गांव के रहने वाले थे। वह रविदास मंदिर बनवाकर वहां पूजा अर्चना करने लगे। 27–28 फरवरी 2003 को उनकी कुटी पर चाकू से गोदकर हत्या कर दी गई। इसी गांव के उदय राज ने यह कहते हुए थाने में केस दर्ज कराया। तहरीर में कहा कि कुबेरनाथ मंदिर मेंहदावल के पुजारी नागा बाबा से तुलसीदास की दुश्मनी थी। उन्होंने ही तुलसीदास की हत्या की है। पुलिस ने जब विवेचना शुरू की तो पूरी कहानी ही बदल गई। असल में संत तुलसीदास के पास कुछ जमीन थी, जिसे बेचकर वह रविदास मंदिर में ही लगाना चाहते थे। उनके पट्टीदार उदय राज चेला बनकर मुफ्त में तुलसीदास की जमीन लेना चाहता था। यहां तक कि उन्हें धमका कर मंदिर से भी कुछ रुपया ले लिया करता था, और जमीन की लालच में ही अपने साथी राम कृपाल के साथ संत तुलसीदास की हत्या कर दी। केस को उलझाने के लिए नागा बाबा को आरोपित करते हुए खुद वादी बनकर मुकदमा लिखा दिया। विवेचना से उसकी संलिप्तता जाहिर हो गई और पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर आरोप पत्र कोर्ट में दाखिल किया। मुकदमा के दौरान उदय राज के साथी राम कृपाल की मृत्यु हो गई। दोनों पक्ष की बहस सुनने के बाद अदालत ने संत की हत्या के लिए बर्खास्त सिपाही उदय राज को दोषी मानते हुए।

कार से कुचलने की चर्चा, पुलिस का गोलमोल जवाब

बस्ती, (संवाददाता)। अधिवक्ता चंद्रशेखर यादव की हत्या के दौरान स्कॉर्पियो चढ़ाने का मामला पुलिस के लिए पहेली बन गया है। चर्चा है कि हत्या का संदेह होने पर चंद्रशेखर ने स्कॉर्पियो से कूदकर भागने का प्रयास किया, जिसके बाद उनके ऊपर स्कॉर्पियो चढ़ा दी गई। वहीं एसपी अभिनंदन का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट में पाई गई चोटों के हिसाब से गाड़ी ऊपर चढ़ाने की पुष्टि तो नहीं हुई, लेकिन धकेल कर गिराने के कुछ देर बाद वापस आकर अधिवक्ता को दोबारा टक्कर मारने की पुष्टि हो रही है। बताया जा रहा है कि एक प्रत्यक्षदर्शी ने इसका वीडियो बनाकर पुलिस को सौंपा है। कई सीसीटीवी फुटेज भी पुलिस को मिले हैं, लेकिन पुलिस उसके बारे में खुलकर बताने से बच रही है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में वैसे तो 35 से ज्यादा चोटों का जिक्र है, लेकिन अधिवक्ता चंद्रशेखर की मौत पसली की हड्डी टूटकर लंग्स पंक्चर होने और सिर में खून का थक्का जमने की वजह से हुई। इसके अलावा बायां हाथ और पसली की ज्यादातर हड्डियां टूट गई थीं। नाक और चेहरे के अलावा कनपटी पर भी गहरी चोट पाई गई है। कमर के पास की एक हड्डी भी टूटी हुई थी। इसके बारे में अनुमान है कि किसी भारी चीज या रॉड से प्रहार किया गया होगा। इसके अलावा पेट पर भी कई चोटों के निशान पाए गए हैं।

भक्सा पहुंचा वसपा प्रतिनिधिमंडल, दोषियों पर कार्रवाई और मुआवजे की मांग की

गोरखपुर, (संवाददाता)। सोमवार को वसपा के एक प्रतिनिधिमंडल ने भक्सा गांव में पीड़ित परिजनों से मुलाकात कर उनको ढाढ़स बंधाया और हर संभव सहयोग देने का आश्वासन दिया। बहुजन समाज पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष व पूर्व मुख्यमंत्री मायावती के निर्देश पर प्रदेश अध्यक्ष विश्वनाथ पाल व महासचिव मुनकाद अली, मंडल प्रभारी सुधीर कुमार भारती, पूर्व विधायक भगवान दास, पूर्व एमएलसी लालचंद निषाद भक्सा गांव पहुंचे थे। गांव में कुछ दिन पहले एक बच्चे और एक किशोर की बर्बरता पूर्वक हत्या कर दी गई थी। प्रतिनिधिमंडल ने परिजनों को ढाढ़स बंधाते हुए कहा कि दोषी शीघ्र पकड़े नहीं गए तो बसपा के कार्यकर्ता आंदोलन को बाध्य होंगे। बसपा के प्रदेश अध्यक्ष ने सबसे पहले मृतक अभिषेक व प्रिंस के परिजनों से ग्राम–नवापार में मुलाकात की। जिस समय पाल पहुंचे वहां पर भारी संख्या में बसपा कार्यकर्ता मौजूद थे। पीड़ित परिवार से मिलर बसपा नेता ने कहा कि वह बहन मायावती का संदेश लेकर आए हैं। पूरी पार्टी पीड़ित परिवार के साथ खड़ी है। यदि जल्द से जल्द दोषी गिरफ्तार नहीं किए गए तो बसपा कार्यकर्ता सड़क पर उतरेंगे। उन्होंने पीड़ित परिवार को मुआवजा देने तथा दोषियों को गिरफ्तार कर कड़ी से कड़ी सजा दिलाने की मांग की। प्रदेश अध्यक्ष ने पहले एसएसपी फिर डीएम को फोन लगाया। दोनों लोगों की मीटिंग की सूचना पर एडीजी से फोन पर बात की और पीड़ितों को जल्द से जल्द न्याय दिलाने का आश्वासन दिया। प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि मुख्यमंत्री के गृह जनपद में इस तरह की हत्या साबित करती है कि प्रदेश में कानून का राज समाप्त हो गया है। प्रदेश अध्यक्ष के साथ जिलाध्यक्ष ऋषिकपूर, अमित चंद्र गौतम, वीरेंद्र पांडे, हरिप्रकाश निषाद, शैलेंद्र भारती, राज मिलन निराला, संगम भारती, हरिश्चंद्र गौतम व अन्य मौजूद रहे।

बीएचयू में एडमिट था अंडरवर्ल्ड डॉन दाऊद का गुरु सुभाष, माफिया को 5 साल बाद भेजा गया जेल नहीं चली बहानेबाजी

वाराणसी, (संवाददाता)। आजीवन कारावास की सजा काट रहा माफिया सुभाष ठाकुर पांच साल बाद सोमवार को बीएचयू अस्पताल से फतेहगढ़ सेंट्रल जेल भेज दिया गया। हालांकि, इसके पीछे की राह आसान नहीं रही। वह खुद के अस्वस्थ होने का दावा करता रहा। मगर, पुलिस आयुक्त मोहित अग्रवाल की तरफ से गठित 12 डॉक्टरों के पैनल ने बताया कि सुभाष ठाकुर स्वस्थ है। उसे जेल से अस्पताल में लाकर रखने का कोई ठोस आधार नहीं है। सुभाष ठाकुर को अंडरवर्ल्ड डॉन दाऊद इब्राहिम का गुरु कहा जाता है। वाराणसी के फूलपुर थाना क्षेत्र के नेवादा गांव निवासी सुभाष सिंह ठाकुर उर्फ सुभाष राय उर्फ बाबा नब्बे के दशक में मुंबई अंडरवर्ल्ड का चर्चित नाम रहा है। मौजूदा समय में भी मुंबई में पूर्वांचल के शूटर किसी वारदात को अंजाम देते हैं तो महाराष्ट्र पुलिस की शक की सूई सबसे पहले सुभाष ठाकुर की ओर जाती है। वर्ष 1992 के हत्या, हत्या के प्रयास और टाडा एक्ट के एक मामले में मुंबई की अदालत ने सुभाष ठाकुर को वर्ष 2000 में आजीवन कारावास की सजा सुनाई थी। फतेहगढ़ सेंट्रल जेल प्रशासन के अनुसार, सुभाष ठाकुर ने दिसंबर 2019 में गुर्दा, पेट और आंख की गंभीर बीमारियों से खुद को पीड़ित बताया और बीएचयू के सर सुंदर लाल अस्पताल में भर्ती हो गया था। इसके बाद जेल और पुलिस के स्तर पर लगातार पत्राचार के बाद भी सुभाष ठाकुर बीएचयू अस्पताल से स्वस्थ होकर फतेहगढ़ सेंट्रल जेल नहीं जा सका। सुभाष ठाकुर के लंबे समय से अस्पताल में भर्ती होने के मामले को डीजी जेल पीवी रामाशास्त्री ने गंभीरता से लिया।

गोसाईं जोत में गया चलाया विशेष स्वच्छता अभियान

बस्ती, (संवाददाता)। शिवाजी नगर वार्ड के गोसाईं जोत में विशेष स्वच्छता अभियान चलाया गया। नगर पंचायत चेयरमैन नीलम सिंह राना ने झाड़ू लगाकर नागरिकों को स्वच्छता का संदेश दिया। महिलाओं को निःशुल्क डस्टबिन वितरित किए। कहा कि यह इकलौती नगर पंचायत है, जहां प्रत्येक माह के अंतिम शनिवार को एक वार्ड में विशेष स्वच्छता अभियान चलाया जाता है। इसी प्रकार प्रत्येक महीने के दूसरे मंगलवार को योग दिवस और वृद्ध जन सम्मान आयोजित होता है। सोमवार को नगर पंचायत कार्यालय पर साप्ताहिक जनता दर्शन, कार्य दिवस पर कंट्रोल रूम की सुविधा सहित दर्जनों जनहितकारी योजनाएं संचालित कर नगर पंचायत नगर देश में अपनी अलग पहचान बना चुकी है।

बाइक मैकेनिक ने दोस्त की साढ़े तीन साल की बच्ची से किया दुष्कर्म, पुलिस मुठभेड़ में घायल

लखनऊ, (संवाददाता)। इंदिरानगर के सर्वोदयनगर इलाके में रहने वाली साढ़े तीन साल की बच्ची को सोमवार दोपहर बच्ची के पिता का दोस्त बाइक मैकेनिक कुंदन कश्यप उठा ले गया। आरोपी ने बच्ची के साथ दुष्कर्म किया और उसको शाम के वक्त घर के बाहर छोड़ दिया। पुलिस ने केस दर्ज किया और देर रात आरोपी कुंदन को मुठभेड़ के दौरान गिरफ्तार किया। उसके दाहिने पैर में गोली लगी है। एसीपी गाजीपुर ए. विक्रम सिंह ने बताया कि बच्ची के पिता मजदूरी करते हैं। उनकी दोस्ती चिनहट के लौलाई निवासी कुंदन कश्यप से थी। कुंदन अक्सर उनके घर आता–जाता था। सोमवार दोपहर को कुंदन बच्ची के घर पहुंचा। बच्ची के पिता और कुंदन आपस में बातचीत कर रहे थे। घर में बच्ची व उनकी दादी मौजूद थीं। इस बीच कुंदन ने बच्ची के पिता को गुटखा लेने के लिए भेज दिया। वह गुटखा लेने गए तो आरोपी कुंदन मौका देखकर बच्ची को उठा ले गए। इसके बाद आरोपी ने बच्ची के साथ लौलाई स्थित अपने घर में दुष्कर्म किया। कुछ देर के बाद जब बच्ची के पिता गुटखा लेकर लौटे तो बेटी व कुंदन दोनों गायब थे। उन लोगों ने दोनों को तलाशना शुरू किया पर कुछ पता नहीं चल सका। इस बीच आरोपी कुंदन बच्ची को इधर–उधर लेकर टहलता रहा। शाम के वक्त आरोपी चुपके से बच्ची को उसके घर के पास छोड़कर भाग निकला। बच्ची के बड़े पिता ने उसको घायल अवस्था में देखा और फौरन उठाकर घर पहुंचाया। देर रात बच्ची के परिजन उसको गाजीपुर थाने लेकर पहुंचे। पुलिस ने फौरन बच्ची को इलाज के लिए क्वीन मेरी अस्पताल में भर्ती कराया। डीसीपी नॉर्थ गोपाल चौधरी ने बताया कि केस दर्ज होने के बाद पुलिस की टीमों को आरोपी कुंदन की तलाश में लगाया गया। रात करीब दो बजे आरोपी कुंदन सर्वोदयनगर बंधा रोड के पास दिखा। पुलिस ने उसको रोकने का इशारा किया तो उसने पुलिस टीम पर फायरिंग कर दी। जवाब में पुलिस को कुंदन पर फायरिंग करनी पड़ी और उसके दाहिने पैर में गोली लगी। घायल कुंदन को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया। पुलिस को कुंदन के पास एक तमंचा और कारतूस मिले हैं। एसीपी ने बताया कि कुंदन के खिलाफ पहले से चोरी सहित अन्य अपराध के मामले दर्ज हैं।

ट्रैक्टर-ट्राली से टकराई स्कार्पियो, एक ही परिवार के चार लोगों की मौत

लखनऊ, (संवाददाता)। रायबरेली के भदोखर थाना क्षेत्र में मंगलवार सुबह रायबरेली–प्रयागराज हाईवे पर सरिया लदी ट्रैक्टर–ट्राली से कार (स्कार्पियो) जा टकराई। टक्कर इतनी तेज थी कि कार के परखच्चे उड़ गए। हादसे में कार सवार दो महिलाओं समेत चार लोगों की मौत हो गई, जबकि पांच लोग घायल हुए। पुलिस का दावा है कि चार पहिया वाहन की रफ्तार अधिक थी। इससे चालक गाड़ी संभाल नहीं हो पाया और हादसा हो गया। हादसे में घायल एक महिला को एम्स के बाद लखनऊ ट्रामा सेंटर रेफर किया गया है। सभी मृतक एक ही परिवार से हैं। लखनऊ जिले के बलदेव बिहार तेलीबाग के रहने वाले नौ लोग मौनी अमावस्या पर महाकुंभ में स्नान करने के लिए प्रयागराज जा रहे थे। हाईवे स्थित दरियापुर चौराहा पर सलोन से रायबरेली की तरफ सरिया लदी ट्रैक्टर–ट्राली आ रही थी। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक कार की रफ्तार तेज थी। सामने से आ रहे ट्रैक्टर–ट्राली को देखकर चालक को गाड़ी की रफ्तार धीमी करनी चाहिए थी। तेज रफ्तार होने के कारण ट्रैक्टर–ट्राली से टकरा गई। इससे कार पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गई। आसपास के लोगों ने आकर कार सवार लोगों को बाहर निकाला। सूचना पर पुलिस भी मौके पर आ गई। कार सवार घायलों को जिला अस्पताल पहुंचाया गया, जहां चिकित्सकों ने आशीष द्विवेदी (45), दीपेंद्र रावत (40), माया (45), रजनी (55) को मृत घोषित कर दिया।

वहीं, अनुज त्रिपाठी (30), शुभम (25), प्रभा नेगी (55) के अलावा ललिता और शुभम को भर्ती कर लिया गया। घायल प्रभा नेगी की हालत गंभीर होने पर चिकित्सकों ने उन्हें एम्स रेफर कर दिया। एम्स से प्रभा को लखनऊ ट्रामा सेंटर रेफर किया गया है। कार मृतक आशीष चला रहे थे। सीओ सदर अमित सिंह ने बताया कि ट्रैक्टर–ट्राली चालक को हिरासत में लेकर घटना के बारे में पूछताछ की जा रही है। चालक सलोन का रहने वाला है। तहरीर मिलने पर केस दर्ज कराया जाएगा। कार की रफ्तार अधिक होने के चलते हादसा होने का अंदेशा जताया जा रहा है। पलक झपकते हुआ हादसा, कोई कुछ समझ नहीं पाया जिस दरियापुर चौराहा पर यह हादसा, वहां पर अक्सर चहल–पहल रहती है। यह हादसा पलक झपते हुआ। वहां पर मौजूद लोग कैसे क्या हुआ, समझ ही नहीं पाए। शोरगुल की आवाज आई तो लोग दौड़कर मौके पर पहुंचे। लोगों को बाहर निकालना शुरू किया। चूंकि घटनास्थल से थाना कुछ ही दूरी पर है। ऐसे में थाना प्रभारी दयानंद तिवारी भी मौके पर आ गए। घायलों को अस्पताल पहुंचाया गया, लेकिन चार लोगों की जिंदगी को नहीं बचाया जा सका।

संक्षिप्त समाचार

वाहन चालक, स्वामी को ही मिलेगा फिटनेस सेंटर में प्रवेश

लखनऊ, (संवाददाता)। ट्रांसपोर्टनगर स्थित आरटीओ के फिटनेस सेंटर पर सोमवार को दलालों के खिलाफ अभियान चलाया गया। संभागीय निरीक्षक (आरआई) विष्णु कुमार ने सेंटर के बाहर खड़े वाहनों की पड़ताल की। यह देख दलाल भाग निकले। कई दलालों को खदेड़ा गया। आरआई ने निर्देश दिए कि अब फिटनेस सेंटर पर वाहन चालक व स्वामी को ही प्रवेश दिया जाएगा। सीसीटीवी कैमरे से इसकी निगरानी से की जाएगी। आरटीओ के फिटनेस सेंटर के बाहर अनाधिकृत रूप वाहनों व लोगों का जमावड़ा लगता है। दलाल भी प्रवेश करने की कोशिश करते है। इसे लेकर सिक्योरिटी गार्डों से कहासुनी की शिकायतें मिलने के बाद आरटीओ प्रशासन संजय कुमार तिवारी के निर्देश पर आरआई विष्णु कुमार ने अभियान चलाकर दलालों को खदेड़ा। सेंटर के अंदर सिर्फ वाहन स्वामी और चालक को प्रवेश देने के निर्देश दिए गए हैं। गार्डों से कहा गया कि कोई जबरदस्ती घुसने की कोशिश करता है तो तत्काल सूचित करें।

बकाया गृहकर न जमा करने पर 17 दुकानें सील

लखनऊ, (संवाददाता)। बकाया गृहकर जमा न करने पर नगर निगम की टीम ने सोमवार को एटीएम सहित 17 व्यावसायिक भवन सील कर दिए। इस दौरान विरोध का भी सामना करना पड़ा। कई लोगों ने मौके पर बकाया जमा कर दिया, जिससे वे कार्रवाई से बच गए। जोन आठ के जोनल अफसर अजीत राय ने बताया कि टीम ने औरंगाबाद जागीर में रोस मैरिट सेफ्टी सिस्टम को 3.23 लाख रुपये बकाया गृहकर, सैनिक मोटर्स को 1.84 लाख रुपये और आटो किंग सर्विस को 76 हजार रुपये बकाये पर सील कर दिया। जोन सात की टीम ने मुलायमनगर में अमीम अलीम शेख की दुकान 1.33 लाख के बकाये पर सील कर दी। जोन एक के कर अधीक्षक ओम प्रकाश सिंह ने बताया कि महात्म गांधी मार्ग पर इलाहाबाद बैंक के एटीएम को 2.06 लाख रुपये का बकाया होने पर सील कर दिया गया। जोनल अधिकारी जोन छह मनोज कुमार ने बताया कि 12 दुकानें सील की गईं। अभियान के दौरान चार बकायेदारों ने गृहकर जमा कर दिया।

संघर्ष और प्रेरणा की अद्भुत गाथा है माई साहेब रमाबाई आंबेडकर

लखनऊ, (संवाददाता)। डॉ. भीमराव आंबेडकर की जीवनसंगिनी रमाबाई के संघर्ष और त्याग को मंच पर जीवंत करती एकल नाट्य माई साहेब रमाबाई आंबेडकर की प्रस्तुति ने दर्शकों में अनोखी छाप छोड़ी। नाटक रमाबाई के बचपन से लेकर महापरिनिर्माण तक के संघर्षों की कहानी पर आधारित है। गोबर के उपले बनाने से लेकर बच्चों की परवरिश, पति डॉ. आंबेडकर की शिक्षा में सहयोग और तमाम जीवन संघर्षों के बीच रमाबाई के दृढ़ संकल्प की शानदार नाट्य प्रस्तुति ने दर्शकों को सोचने पर मजबूर कर दिया। डॉ आंबेडकर विचार मंच के तत्वावधान में सुगत सांस्कृतिक, शैक्षिक एवं सामाजिक संस्था की ओर से संगीत नाटक अकादमी में इसका मंचन किया गया। नाटक में अभिनेत्री अनामिका सिंह विभिन्न पात्रों को जीवंत करती नजर आईं। निर्देशन विपिन कुमार और संगीत संयोजन आदित्य लिप्टन का है।

हिंदी संस्थान में अब मिलने लगी हिंदी में भुगतान रसीद

लखनऊ, (संवाददाता)। उत्तर प्रदेश हिंदी संस्थान में सभागारों की बुकिंग के बाद दी जाने वाली भुगतान की रसीद अब अंग्रेजी में नहीं, बल्कि हिंदी में ही मिलने लगी है। अमर उजाला में 15 जनवरी को प्रकाशित खबर 'ये तो हद हो गई रू हिंदी संस्थान... और अंग्रेजी में काम' पर एक दिन बाद ही संस्थान के निदेशक ने संज्ञान ले लिया था। उन्होंने आदेश दिया था कि जल्द ही ये रसीदें अंग्रेजी की जगह हिंदी में दी जाएंगी। निदेशक राज बहादुर सिंह ने जानकारी दी कि रसीदें अब हिंदी में छपकर आ गई हैं और सभागारों की बुकिंग कराने वालों को यही दी जा रही हैं। उन्होंने कहा कि आगे भी इस बात का ख्याल रखा जाएगा कि संस्थान में सभी कामकाज हिंदी में ही हों।

अयोध्या में भारी भीड़ को देखते हुए राममंदिर ट्रस्ट की अपील– आसपड़ोस के भक्त 15–20 दिन बाद आएं

लखनऊ, (संवाददाता)। अयोध्या में प्रयागराज महाकुंभ के प्रारंभ होने के साथ ही उमड़ी लाखों श्रद्धालुओं की भीड़ को देखते हुए श्रीराम मंदिर ट्रस्ट ने आस–पड़ोस के जिलों में रहने वाले लोगों से 15–20 दिन बाद आकर दर्शन करने की अपील की है। ट्रस्ट के महामंत्री चंपत राय की तरफ से की गई अपील में कहा गया है कि पिछले तीन दिनों से अयोध्या जी में श्रद्धालुओं की संख्या में अभूतपूर्व वृद्धि हुई है। अयोध्या धाम की जनसंख्या एवं आकार को देखते हुए यह कहा जा सकता है कि इतनी अधिक संख्या में भक्तों को एक दिन में रामलला के दर्शन कराना बहुत कठिन है और इसी कारण भक्तों को परेशानी हो रही है। परिणाम स्वरूप किसी भी प्रकार की अनहोनी को रोकने के लिए आवश्यक हो गया है कि व्यवस्थाओं में उपयुक्त परिवर्तन किए जाएं। भक्तों को अधिक पैदल भी चलना पड़ रहा है। हमारा यह निवेदन है कि पास–पड़ोस के भक्तजन 15–20 दिन के पश्चात दर्शन करने हेतु अयोध्या जी पधारें ताकि बहुत दूर से आने वाले भक्त अभी सुविधा से प्रभु के दर्शन कर सकें। इससे सभी को सुविधा होगी। वसंत पंचमी के बाद फरवरी मास में काफी राहत रहेगी।

होटल में बेटे के साथ पांच हत्याएं करने वाला बदर गिरफ्तार

लखनऊ, (संवाददाता)। चारबाग के होटल में बेटे के साथ मिलकर पत्नी व चार बेटियों की हत्या करने के आरोपी बदर को गिरफ्तार कर लिया गया है। आगरा का रहने वाला बदर घटना के बाद से फरार चल रहा था। बदर पर पुलिस ने 25,000 का इनाम घोषित कर रखा था। मालूम हो कि चारबाग के पास होटल शरणजीत में बदर ने बेटे अरशद के साथ पांच हत्याएं कर दी थीं। उसके बाद अरशद ने खुद को पुलिस के हवाले कर दिया था लेकिन बदर फरार हो गया था। आगरा निवासी अरशद ने पिता बदर के साथ मिलकर मां अस्मा (49), बहनें अल्शिया (19), रहमीन (18), अक्सा (16) और आलिया (9) की चारबाग के होटल में हत्या कर दी थी। आरोपी 30 दिसंबर को लखनऊ आए थे। दो दिन के लिए होटल का कमरा बुक कराया था। 31 दिसंबर की रात में दोनों ने सामूहिक हत्याकांड को अंजाम दिया था।

संक्षिप्त समाचार

चंदौली मझवार पर रुकेगी दून एक्सप्रेस

लखनऊ, (संवाददाता)। हावड़ा से ऋषिकेश के बीच चलने वाली दून एक्सप्रेस को 28 जनवरी से चंदौली मझवार स्टेशन पर अस्थायी ठहराव दिया जाएगा। उत्तर रेलवे लखनऊ मंडल के सीनियर डीसीएम कुलदीप तिवारी ने बताया कि ट्रेन 13009 दून एक्सप्रेस चंदौली मझवार स्टेशन पर सुबह 7रू51 बजे पहुंचेगी और दो मिनट बाद आगे रवाना होगी। ऋषिकेश से आने वाली ट्रेन 13010 दून एक्सप्रेस चंदौली मझवार स्टेशन पर शाम 5:38 बजे पहुंचेगी और दो मिनट बाद यहां से रवाना होगी।

पीएचसी पर तैनात विशेषज्ञ अब सीएचसी पर देंगे सेवा

लखनऊ, (संवाददाता)। प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों (पीएचसी) पर तैनात विशेषज्ञ डॉक्टर अब सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों (सीएचसी) पर सेवाएं देंगे। प्रमुख सचिव के निर्देश पर सीएमओ ने चार विशेषज्ञ सीएचसी से संबंद्ध किए हैं। अन्य पीएचसी पर तैनात विशेषज्ञ भी खोजे जा रहे हैं, ताकि उन्हें भी सीएचसी भेजा जा सके। शहरी व ग्रामीण क्षेत्र में 54 पीएचसी और 20 सीएचसी हैं। कुछ प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों पर विशेषज्ञ तैनात थे। ये डॉक्टर पीजी करके यहां भेजे गए थे। पीएचसी पर विशेषज्ञ डॉक्टर की बहुत जरूरत नहीं है। ऐसे में निर्देश दिए गए कि इन विशेषज्ञों को सीएचसी पर तैनाती दी जाए, जहां मरीजों को इनका बेहतर लाभ मिल सकेगा। चार पीएचसी से सीएचसी संबंद्ध किए गए डॉक्टर ओपीडी के मरीज देखेंगे। सीएमओ डॉ. एनबी सिंह ने बताया कि पीएचसी पर तैनात अन्य विशेषज्ञों को भी सीएचसी पर तैनात किया जाएगा।

40 बीघा में हो रही तीन अवैध प्लॉटिंग के निर्माण ध्वस्त

लखनऊ, (संवाददाता)। एलडीए की प्रवर्तन टीमों ने बीकेटी में 40 बीघा में चल रही तीन अवैध प्लॉटिंग के निर्माण ध्वस्त कराए। चिनहट के नंदपुर में अवैध रूप से बनाए जा रहे 14 रो–हाउस भी सील किए गए। जोनल अधिकारी माधवेश कुमार ने बताया कि किरन सहकारी आवास समिति सीतापुर रोड पर बीकेटी तहसील के सामने 20 बीघा में अवैध कॉलोनी विकसित कर रही थी। राजकिरन सीतापुर रोड पर फौजी ढाबे के बगल में चार बीघा में अवैध प्लॉटिंग करवा रहा था। एलडीए की टीम ने बीकेटी में नबीकोट नंदना क्रॉसिंग के बगल में 15 बीघा में विकसित की जा रही अवैध कॉलोनी को भी ध्वस्त किया। नंदपुर में एस बिल्डर्स की ओर से 1000 वर्गमीटर बनाए गए 10 व लक्ष्मण सिंह की ओर से 300 वर्गमीटर में बनाए गए चार रो–हाउस सील किए गए। अलीगंज के सेक्टर–जे में एलडीए कर्मचारियों ने मिलीभगत कर कॉम्प्लेक्स बनवा दिया। एक साल से बी 1ध्5 में ढककर निर्माण किया जा रहा था। बाहर पेड़ पर बोर्ड टांगा गया था। इसमें आवासीय परिसर लिखकर एलडीए से मानचित्र पास होने का उल्लेख किया गया था, पर जब पर्दा हटा तो निर्माण कॉमर्शियल निकाला। अब इसमें दो अस्पतालों की पैथॉलाजी खोली जा रही है, जिसके बोर्ड भी लग गए हैं।

एकेटीयू में एडरोसोनिक ने किया कैंपस प्लेसमेंट

लखनऊ, (संवाददाता) ।डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम प्राविधिक विश्वविद्यालय (एकेटीयू) अपने छात्रों को रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने के लिए नई तकनीकी का प्रशिक्षण दे रहा है। इस क्रम में विश्वविद्यालय के ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट विभाग की ओर से सोमवार को एडरोसोनिक कंपनी ने कैंपस प्लेसमेंट का आयोजन किया। कंपनी ने स्क्रीनिंग के बाद 152 विद्यार्थियों को फाइनल राउंड के लिए बुलाया था। लिखित परीक्षा, पर्सनल इंटरव्यू, ग्रुप डिस्कशन, टेक्निकल राउंड आदि चरण में विद्यार्थियों का टेस्ट लिया गया।

सरकार को संपत्ति का ब्योरा देने से कतरा रहे हैं राज्यकर्मी, अभी तक 29 फीसदी कर्मचारी दे सके हैं जानकारी

लखनऊ, (संवाददाता)। प्रदेश में सरकारी कर्मचारी और अधिकारी अपनी संपत्ति का ब्योरा देने से कतरा रहे हैं। अभी तक 29 फीसदी कर्मचारियों ने ही मानव संपदा पोर्टल पर चल व अचल संपत्ति की जानकारी दी है। जबकि अंतिम तिथि 31 जनवरी है। नियुक्ति व कार्मिक विभाग के प्रमुख सचिव एम देवराज ने 31 जनवरी तक सभी कार्मिकों की संपत्ति का ब्योरा अपलोड कराना सुनिश्चित करने के निर्देश संबंधित विभागों को दिए हैं। राज्यकर्मियों को हर साल 31 जनवरी तक संपत्ति का ब्योरा देना अनिवार्य है। इसमें बताना होता है कि पिछले साल 31 दिसंबर तक उनकी चल व अचल संपत्ति कितनी थी। 23 जनवरी तक की समीक्षा में सामने आया कि मानव संपदा पोर्टल पर पंजीकृत कार्मिकों की संख्या 8,32,679 है। इनमें से महज 2,42,639 ने ही संपत्ति का ब्योरा दिया है। इंडियन पब्लिक सर्विस इंप्लाइज फेडरेशन (इप्सेफ) ने केंद्रीय वित्त मंत्री से कर्मचारियों को इनकम टैक्स में 10 लाख तक की छूट देने की मांग की है। संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष वीपी मिश्रा, महासचिव प्रेमचंद व उप महासचिव अतुल मिश्रा ने कहा कि कर्मचारियों को इस भीषण महंगाई में परिवार के भरण–पोषण में कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। इसलिए इनकम टैक्स में छूट देना जरूरी है। कॉपी जलाकर करेंगे पुरानी पेंशन बहाली की मांग नेशनल मूवमेंट फॉर ओल्ड पेंशन स्कीम (एनएमओपीएस) की राष्ट्रीय कार्यकारी समिति द्वारा मंगलवार 28 जनवरी को पूरे देश के शिक्षक व कर्मचारी यूपीएस की कॉपी जलाकर यूपीएस व न्यू पेंशन स्कीम समाप्त करने की मांग करेंगे। संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष विजय कुमार बंधु ने कहा कि यूपीएस को लेकर शिक्षकों–कर्मचारियों में काफी आक्रोश है। वह लंबे समय से एनपीएस को समाप्त कर ओपीएस लागू करने की मांग कर रहे हैं। किंतु सरकार ने एनपीएस को समाप्त न कर देश के शिक्षकों–कर्मचारियों पर जबरन यूपीएस थोप दिया। इसलिये एनएमओपीएस कल पूरे देश मे यूपीएस की कॉपी जलाकर अपना विरोध करेगा। संगठन के राष्ट्रीय महासचिव स्थित प्रज्ञा ने कहा कि एनपीएस घोटाला है, तो यूपीएस महाघोटाला है, एनपीएस धोखा है, तो यूपीएस महाधोखा है। एनपीएस और यूपीएस किसी भी तरह से शिक्षक–कर्मचारी हित मेंनहीं है। इसलिए पूरे देश में इसको लेकर आक्रोश है और लगातार पुरानी पेंशन की मांग कर है। क्योंकि सामाजिक सुरक्षा का सबसे बेहतर व्यवस्था पुरानी पेंशन है।

कलाकारों का सम्मान हमारी संस्कृति की पहचान : राज्यपाल

लखनऊ, (संवाददाता)। अवध शिल्पग्राम में यूपी दिवस समारोह के समापन अवसर पर तीसरे दिन राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने कला, संस्कृति, साहित्य, नाट्य, खेल और बौद्ध व जैन दर्शन के क्षेत्र में काम करने वालों का सम्मानित किया। कवि सम्मेलन भी हुआ। इस दौरान लोकगीतों के साथ बॉलीवुड गानों का तड़का भी लगा। इस मौके पर राज्यपाल ने कहा कि कलाकारों का सम्मान हमारी संस्कृति की पहचान है। इस दौरान प्रदेश के अलग–अलग जिलों से आए कलाकारों ने प्रस्तुतियां दीं। गाजीपुर से आईं कृष्णा यादव व प्रवेश यादव की टीम ने हम आजादी के गोदनवा गोदाइब सखिया... और हमरा यूपी के जवाब नइखे... से माहौल को देशभक्ति से भर दिया। लखनऊ की जूही कुमारी व प्रीति सिंह, सोनभद्र की सुरतिया टीम, बनारस की सरोज वर्मा और भोजपुरी गायिका हिना मौर्या ने प्रस्तुतियों से समा बांध दिया। इस दौरान प्रदेश के खेल एवं युवा कल्याण राज्य मंत्री गिरीश चंद्र यादव, अपर मुख्य सचिव राज्यपाल डॉ. सुधीर एम बोबड़े, प्रमुख सचिव संस्कृति मुकेश मेश्राम आदि मौजूद रहे। हिमांशु बाजपेई ने दास्तान–ए–काकोरी सुनाकर देशभक्ति का जज्बा भरा तो वहीं देर शाम उस्ताद शखावत हुसैन ने अपनी गजलों से खूब तालियां बटोरीं। कवि सम्मेलन में वरिष्ठ कवि डॉ. हरिओम पवार, गजेंद्र सोलंकी ने अपनी रचनाओं से खूब जोश भरा। वरिष्ठ कवि अशोक चक्रधर ने तिरंगे के प्रति आस्था को केंद्र में रखकर कविता सुनाई। गुरु सक्सेना ने अपनी रचनाओं से श्रोताओं को खूब हंसाया।

ट्रेड एक्सपो में युवाओं ने जाने इन्वेस्ट और बचत के तरीके

लखनऊ, (संवाददाता)। इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में 23 जनवरी से चल रहे उत्तर प्रदेश इंटरनेशनल ट्रेड एक्सपो (यूपीआईटीईएक्स) का सोमवार को समापन हो गया। इसमें लखनऊ वालों ने पंजाब से लेकर बिहार और दक्षिण भारत के लजीज व्यंजनों का स्वाद चखा। कॉन्क्लेव में युवाओं को इन्वेस्ट और बचत करने के कई तरीके बताए गए। एक्सपो में कैपिटल प्रोटेक्शन और वेल्थ क्रिएशन विषय पर पैनल डिस्कशन भी हुआ, जिसमें कार्यकारी निदेशक सेबी मनोज कुमार ने कहा कि यूपीटेक्स के जो कार्यक्रम यहां आयोजित किया है, वह सबूत है कि वह किस तरह से पीएचडीसीसीआई उद्यमियों को आगे बढ़ाने का प्रयास कर रहा है। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज ऑफ इंडिया लिमिटेड के उपाध्यक्ष देबांकर मजूमदार ने एनएसई, स्टॉक मार्केट और इन्वेस्टमेंट की जानकारी दी। उन्होंने फ्रॉड से बचने के लिए हमेशा रजिस्टर्ड ब्रोकर के माध्यम से इन्वेस्ट करने की सलाह दी। कहा कि अगर कोई आपको व्हाट्सएप से फिक्स रिटर्न का वादा करता है तो लालच में ना फंसे। अध्यक्ष सीए टैक्स प्रैक्टिशनर एसोसिएशन रीना भार्गव ने कहा कि बीते कुछ वर्षों में देश में जो डिजिटल ईकोसिस्टम तैयार हुआ है, उससे देश के विकास में बहुत अधिक मदद मिली है।

किताब तक ही सीमित न रहें, आत्मनिर्भरता पर भी काम करें शिक्षक

लखनऊ, (संवाददाता)। लखनऊ विश्वविद्यालय के रसायन विज्ञान विभाग की ओर से रसायन और जीव विज्ञानियों का तीन दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन सोमवार को मालवीय सभागार में शुरू हो गया। भारतीय रसायनज्ञ और जीवविज्ञानी सोसाइटी (आईएससीबी) के सहयोग से हो रहे ।

सान्ध्य हिन्दी दैनिक देश की उपासना

स्वात्वाधिकारी में. प्रभुदयाल प्रकाशन की ओर से श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक द्वारा देश की उपासना प्रेस, उपासना भवन, धर्मसारी, प्रेमापुर, जौनपुर उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं प्रकाशित।

सम्पादक
श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव
मो0 - 7007415808, 9628325542, 9415034002
RNI NO - UPHIN/2022/86937
Email - deshkiupasanadailynews@gmail.com

समाचार–पत्र से संबधित समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जौनपुर न्यायालय होगा।